डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका के सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे होने पर पाठकों को दिली मुबारकबाद।

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 20 | अंक : 52 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 26 जनवरी से 01 फरवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

अशांत क्षेत्र बिल पर राजनीति शुरू

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में अशांत क्षेत्र (Disturb Area Bill) एक ऐसा विधेयक है, जो राज्य सरकार को कुछ क्षेत्रों में अस्थिरता या सार्वजनिक शांति की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशेष अधिकार प्रदान करता है। इस बिल के तहत सरकार उन इलाकों को "अशांत क्षेत्र" घोषित कर सकती है, जहां पर हिंसा, आतंकवाद या कोई अन्य गंभीर अपराध हो रहा हो और वहां कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए जा सकते हैं। बिल पास होने के बाद घोषित क्षेत्र में पुलिस को विशेष अधिकार जैसे जबरन तलाशी, जबरन गिरफ्तारी एवं कर्फ्यू जैसे अधिकार मिल जाते हैं और अशांति क्षेत्र बिल लागू होने के बाद कोई भी व्यक्ति अपनी संपत्ति बिना कलेक्टर की परमिशन के खरीद बेच नहीं पाएगा। अशांत क्षेत्र बिल का वैसे तो उद्देश्य यही रहता है कि अशांत क्षेत्र जिसमें उपद्रव, धार्मिक टकराव, आतंकवाद, बिगड़ती कानून व्यवस्था को सुचारू करना होता है। सरकार यदि ईमानदारी से काम करे तो अशांत क्षेत्रों में ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी तैनात करके कानून व्यवस्था ठीक कर सकती है। लेकिन वर्तमान में अशांत क्षेत्र बिल लाने के पीछे राजनीतिक फायदा उठाना ज्यादा प्रतीत होता है, क्योंकि राजस्थान में हिंदू मुसलमानों के बीच कभी गंभीर दंगे या उपद्रव नहीं होते हैं, थोड़ी बहुत कहा सुनी जैसी घटनाओं को अशांत क्षेत्र बिल के लिए उपयुक्त नहीं माना जा सकता है।

अशांत क्षेत्र बिल से किसको फायदा

राजस्थान की कैबिनेट ने अशांत क्षेत्र बिल को मंजूरी दे दी है। इस बिल को ईमानदारी से लागू किया जाए तो क्षेत्र के सभी रहने वाले नागरिकों को फायदा होगा। सरकार की योजनाएं समान रूप से लागू की जायेंगी। सबको एजुकेशन के अवसर उपलब्ध होंगे, अशांत क्षेत्र से लोगों का पलायन कम हो जाएगा। क्योंकि ऐसे क्षेत्रों में सरकारी सुविधाओं, योजनाओं, स्कूलिंग की सुविधा कम होती जाती है। अशांत क्षेत्र से एक समुदाय नहीं बल्कि सभी समुदाय के पढ़े लिखे व्यापारी वर्ग एवं नौकरीपेशा वर्ग दूसरे क्षेत्रों में पलायन कर जाता है। अशांत क्षेत्रों में पढ़ाई लिखाई, रोजगार एवं कानून की व्यवस्था कमजोर होती जाती है। बिल लागू होने के बाद सरकार को सभी के लिए सरकारी योजनाएं समान रूप से देनी होंगी।

अशांत क्षेत्र बिल से किस पार्टी को फायदा

क्योंकि प्रदेश में सरकार भाजपा की है, इसलिए अशांत क्षेत्र ज्यादातर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों को ही घोषित किया जाएगा। वैसे यह बिल बुरा नहीं है। जब तक इस बिल का विरोध मुस्लिम संगठनों और विपक्षी पार्टियों के द्वारा नहीं किया जाएगा, तब तक भाजपा को इस बिल का फायदा नहीं मिलेगा। बिल का विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी जो गुजरात में ऐसा बिल 1986 में लेकर आई थी, भी विरोध कर रही है। मुस्लिम नेता इसलिए अशांत क्षेत्र बिल का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उनको भाजपा के विरोध का फायदा मिलता है। कांग्रेस के मुस्लिम नेता जब सत्ता में होते हैं तो कभी क्षेत्र के विकास की राजनीति नहीं करते हैं। यही कारण है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में आज भी गंदगी, टूटी-फूटी सड़के, नालियां अच्छे स्कूल, कॉलेज का अभाव, घटते रोजगार के साधन, क्षेत्र में बढ़ता नशे का कारोबार एवं अतिक्रमण आम बात हो गई है। मुस्लिम क्षेत्रों में जनता विभिन्न समस्याओं से परेशान है। फिर भी पक्ष विपक्ष की राजनीति उनको मुद्दा नहीं बनाती है। वैसे मुस्लिम क्षेत्रों में जो पलायन हो रहा था, वह रुक सकता है। लेकिन हिंदू समुदाय को नुकसान यह है कि वह अपनी जमीन महंगे दामों में बेचकर सस्ते दामों में खरीद कर अच्छी जगह पर चले जाते थे। बिल पास होने के बाद उनको ऐसे असुविधा क्षेत्रों में ही रहना पड़ेगा। जनता को इस बिल से फायदा मिले या ना मिले, लेकिन राजनीतिक दलों को इस बिल से जरूर फायदा मिलेगा।

हज मुकद्दस के लिए 18 अप्रैल को पहली उड़ान जयपुर एयरपोर्ट से

-हज यात्रा के लिए नई गाईडलाईन, सेहत पहली शर्त

जयपुर। हज यात्रा-2026 के मुकद्दस सफर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए केंद्रीय हज कमेटी ने नई गाइडलाइन जारी की है। नये दिशा-निर्देशों के तहत इस बार हज पर वही यात्री जा सकेंगे, जो चिकित्सकीय रूप से पूरी तरह स्वस्थ होंगे। केंद्रीय हज कमेटी ने स्पष्ट किया है कि हज यात्रियों की सेहत को प्राथमिकता देते हुए सभी चयनित हज यात्रियों के लिए नया मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है। हज के लिए 18 अप्रैल से जयपुर एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होंगी। गाइडलाइन के अनुसार गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को हज यात्रा-2026 की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें डायलिसिस पर चल रहे किडनी मरीज, हार्ट फेल्योर, ऑक्सीजन पर निर्भर रोगी, गंभीर फेफड़ों की बीमारी, लिवर सिरोसिस या फेल्योर, गंभीर मानसिक या न्यूरोलॉजिकल रोग, डिमेंशिया से पीड़ित, संक्रामक रोगों से ग्रसित व्यक्ति, वायरल हेमरेजिक फीवर तथा कैंसर के वे मरीज शामिल हैं, जो कीमोथैरेपी या इम्यूनिटी कम करने वाला इलाज ले रहे हों। महिलाओं के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए है। गर्भावस्था के अंतिम तीन महीनों वाली महिलाएं हज यात्रा के लिए पात्र नहीं होंगी।

गलत फिटनेस सर्टिफिकेट पर चिकित्सकों पर होगी कार्रवाई-

राजस्थान राज्य हज वेलफेयर सोसायटी के महासचिव हाजी निजामुद्दीन ने बताया कि इस बार नए नियम लागू कर यात्रा में बदलाव किए गए हैं। नए नियम के मुताबिक जो चिकित्सक गलत फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करेंगे, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी और यात्रियों को सफर की इजाजत नहीं मिलेगी। हज हाउस की व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू रहे। इसके अलावा अधिशासी अधिकारी वहां हमेशा उपलब्ध रहें। एक फरवरी को यात्रियों की सुविधा के लिए कर्बला स्थित हज हाउस में प्रशिक्षण शिविर भी सुबह नौ बजे से आयोजित होगा।

हज 2026 में मिलने वाली मुख्य सुविधाएं-

स्मार्टवॉच और डिजिटल सुरक्षा: सभी यात्रियों को एक स्मार्टवॉच दी जाएगी, जो उनके कदम, ऑक्सीजन लेवल और लोकेशन ट्रैक करेगी। यह स्मार्टवॉच 'हज सुविधा ऐप' 13 से जुड़ी होगी। किसी भी इमरजेंसी में एसओएस (SOS) बटन दबाने पर कंट्रोल रूम को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। आवास और रूम व्यवस्था: पति-पत्नी के लिए एक ही कमरे में रहने की व्यवस्था नहीं होगी, महिला और पुरुष यात्रियों को अलग-अलग कमरों में ठहराया जाएगा। रुबात की सुविधा (मुफ्त आवास): सऊदी अरब में 'हज गाइडेंस सोसाइटी' के माध्यम से मक्का और मदीना में रुबातों (मुफ्त या रियायती आवास) में ठहरने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए 25 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन कराकर इजाजतनामा हासिल किया जा सकता है, जिससे काफी बचत हो सकती है। भोजन व्यवस्था: होटल या कैंपों में खाना पकाने की अनुमति नहीं होगी, यात्रियों को बाहर से या कैटरिंग के जरिए खाना लेना होगा। कैंप की सुविधा: 'मंजिल अल कबश (Majar Al Kabsh) प्रीमियम कैंप' 11 (5,500 क्षमता) और 'मीना अल-मुऐसिम (Mina Al-Muaisim) मानक कैंप' 11 (52,000 क्षमता) का विकल्प मिलेगा, जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे।

अल्पसंख्यक समाज में भाजपा की रीति-नीति को आगे बढ़ाने का कार्य करे मोर्चा- मदन राठौड़

-भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने संभाला पदभार

-मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा के मोर्चो को मजबूत करेंगे: हमीद खान मेवाती

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने शनिवार 24 जनवरी को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित एक भव्य, गरिमामय एवं ऐतिहासिक समारोह में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेशभर से आए अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों तथा पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधिवत रूप से हमीद खान मेवाती को प्रदेशाध्यक्ष पदभार ग्रहण कराया।

शेष पृष्ठ 2 पर....

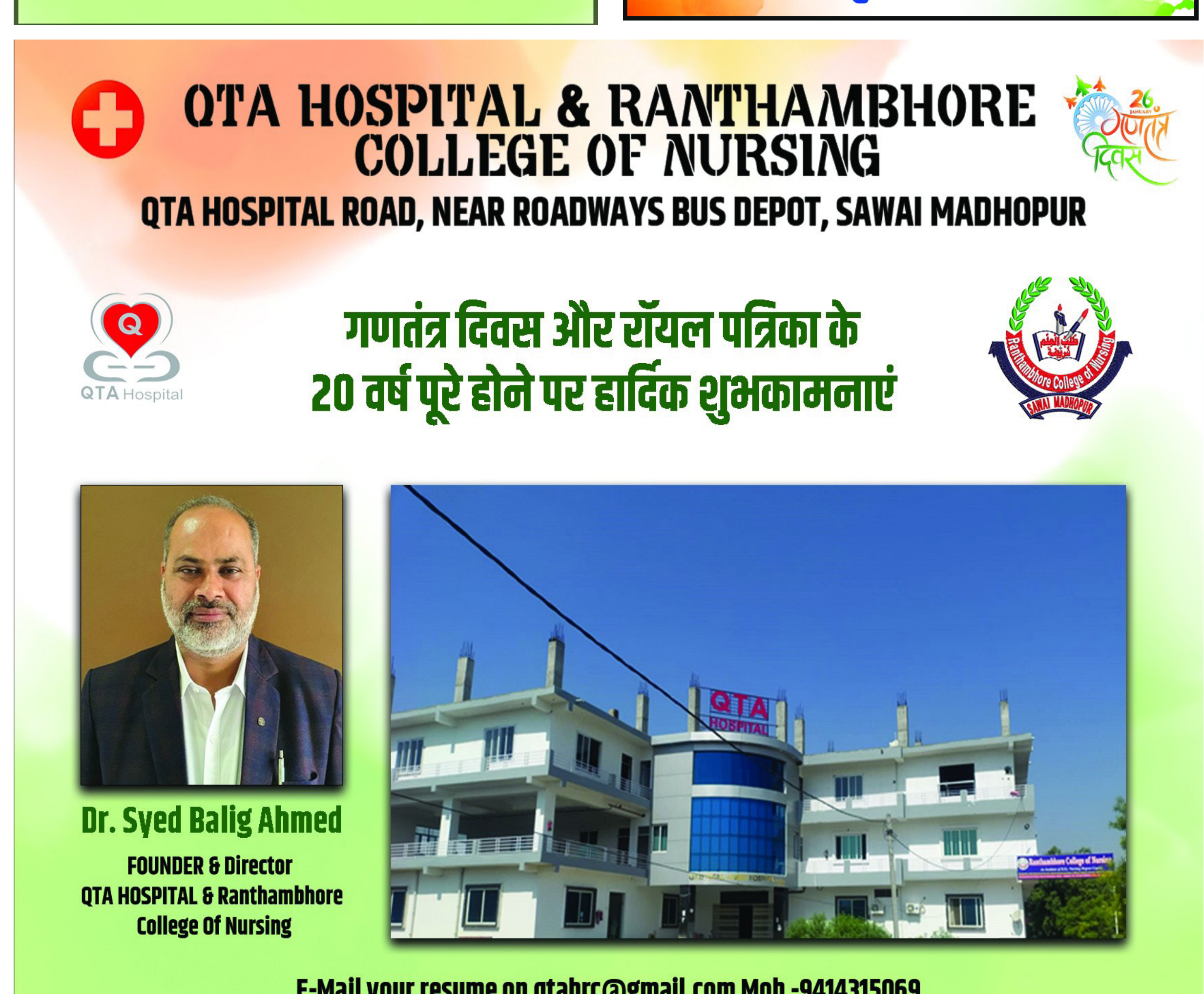

हज तरबियती कैंप 1 फरवरी को कर्बला में आयोजित होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी की ओर से 1 फरवरी 2026 को सुबह 9:00 बजे हज हाउस कर्बला जयपुर में एक हज तरबियती कैंप का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी निजामुद्दीन ने बताया कि हज तरबियती कैंप में शहर मुफ्ती जाकिर नौमानी, मुफ्ती अखलाक, मुफ्ती रिजवान, हसीनुद्दीन, काका गुलाम रसूल और परवेज भाई तशरीफ ला रहे हैं। इनके अलावा पायलट मिर्ज़ा मोहताशम बैग भी तशरीफ़ ला रहे हैं जो हज की बारिकियों पर तफसील से बयान फरमाएंगे। एहराम बांधने का तरीक़ा और फ्लाइट के सफर के बारे में तफसील से जानकारी दी जाएगी। प्रोग्राम सुबह 9 बजे से शुरू होकर दिन में एक बजे तक चलेगा। सभी हाजी साहिबान से गुज़ारिश हैं कि वक़्त का ख़ास तौर से खयाल रखें ताकि कोई अरकान समझने में हमसे कोई छूट ना हो जाए।

इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए

इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए
दहशत नहीं अब सुकूनो-सबात चाहिए
हर तरफ फसादात होतें हमने देखा है
घर मुफलिसों का जलते हमने देखा है.
लाचारी को मातम मनाते हमने देखा है
इन्सा को रंग बदलते हमने देखा है
आदमी बन जाये इन्सा ऐसे मोज़ज़ात चाहिये
इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए
मज़हबी नारों में कब तक बहें
अदयान के तंग घरोंदो में कैसे रहें
मज़हबी ज़ुल्म को सहें तो कैसे सहें
शेख को सुनायें या बिरेहमन से कहें
मज़हबो-धरम से हमें निजात चाहिए
इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए
हुक्मरां इस दौर के रहते है कासानों में
इंसान का लहू पीते है जो पैमानों में
रहरवां तो तपते हैं खेतो-खलियानों में
रहनुमा तो मिलते है बस अफसानों में
अब नहीं हमें ऐसे रहबर-ए-हयात चाहिए
इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए
खत्म हो इंसान की ये लाचारी
रहे न कोई भूखा मिट जाए बेकारी
लूटा के अस्मत मेरे न कोई बैचारी
मुनव्वर सुबह आये कटे रात अंधियारी
हर तरफ अब अमन ओ निसात चाहिए
इस मुल्क को प्यार की सौगात चाहिए

खुद कलमी
अब्दुल अज़ीज़
झालावाड़ (राजस्थान)

इन्सान का ईमान गया

हमने समझाया इन्सान था जो मान गया
टुकड़ों टुकड़ों में सही इश्क पहचान गया
एक दरिया से दरखास्त करी है जानम
प्यासा रखना मुझे और वह मान गया
तोड़ सकता नहीं धोखे से किसी वादे को
हालते वज़्दे मोहब्बत में इमान गया
नाज़ नखरों से शिद्दत से बुलाया था उसे
रात पहलू में रहा और परिशान गया
यह और बात है जप्त ना कर पाया तो
मेरे बोसों का होठों पे ले निशान गया
दाम होता तो चुका देते बड़ी बात ना थी
वह भरम में बड़ा मायूस बदगुमान गया
जिनके पुरखों ने ज़मीनों में सजाए थे शज़र
कागज़ातों के बिना ऐसा खानदान गया
तू गया मैं गया सारा ये जहान गया
क्या कयामत है जो इंसान का ईमान गया

-फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

अमीन पठान खेल प्रकोष्ठ को कर रहे हैं मजबूत

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। अमीन पठान राज्य अध्यक्ष - खेल प्रकोष्ठ, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव, राजस्थान से अच्छे वातावरण में हुई मुलाकात जिसमें अमीन पठान द्वारा प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी फारूक आफरीदी का शाल ओढ़ाकर किया सम्मान। अमीन पठान के नेतृत्व में खेल प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करते हुए, मोहम्मद सलीम अफरीदी को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई तथा आगे भी कर्मठ युवाओं की नियुक्तियों पर गौर किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मौके पर अब्दुल लतीफ आरको ने अमीन पठान एवं नव नियुक्त महासचिव मुहम्मद सलीम आफरीदी को बधाई दी और अमीन पठान से तेली समाज के युवाओं पर गौर करने की सलाह दी,जिस पर अमीन पठान द्वारा आश्वासन दिया गया है।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर नई सुविधा की शुरुआत

-निस्तारित शिकायतों की एटीआर (Action Taken Report) व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायतकर्ता को भी होगी उपलब्ध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान संपर्क शिकायत निवारण पोर्टल पर नागरिकों की सुविधा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई सुविधा प्रारंभ की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन अभियोग निराकरण विभाग दिनेश कुमार ने बताया कि इस नई व्यवस्था के अंतर्गत निस्तारित शिकायतों की एटीआर (Action Taken Report) अब निस्तारण के बाद व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिकायत के निस्तारण के बाद संबंधित एटीआर व्हाट्सएप लिंक के माध्यम से सीधे शिकायतकर्ता को भेजी जाएगी, जिससे शिकायतकर्ता को विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी सरल, त्वरित एवं सहज रूप से दस्तावेजी रूप में प्राप्त हो सकेगी। इस नयी सुविधा के तहत अब शिकायतकर्ता विभाग द्वारा की गई कार्यवाही पर व्हाट्सएप के माध्यम से अपना फीडबैक भी दे सकेगा। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्हाट्सएप के माध्यम से एटीआर साझा करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। इस नई सुविधा के माध्यम से शिकायत निस्तारण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, शिकायतकर्ताओं को समय पर कार्रवाई की जानकारी प्राप्त होगी तथा डिजिटल माध्यम से एटीआर तक आसान और त्वरित पहुंच उपलब्ध होगी। राजस्थान सरकार संपर्क पोर्टल को नागरिकों के लिए अधिक सुगम बनाने तथा शिकायत निवारण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक सक्षम बनाने की दिशा में निरंतर नवाचार कर रही है।

राजस्थान में एस आई आर मतदाता अधिकारों पर गंभीर संकट

जयपुर । राजस्थान में चल रही Special Intensive Revision (SIR) प्रक्रिया ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएँ खड़ी कर दी हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची में सामने आए आँकड़े बताते हैं कि राज्य के कई जिलों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम "अनुपस्थित", "स्थानांतरित" या "मृत" श्रेणी में दर्ज कर दिए गए हैं, जबकि ज़मीनी हकीकत इससे मेल नहीं खाती। कांग्रेस द्वारा संकलित प्रारंभिक जानकारियों और स्थानीय स्तर की रिपोर्टों के अनुसार, ड्राफ्ट सूची में लाखों मतदाता नामों की स्थिति संदिग्ध रूप से बदली गई है। जयपुर, अलवर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और सीकर जैसे जिलों से यह शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं कि बिना पर्याप्त भौतिक सत्यापन के नाम हटाने की प्रक्रिया अपनाई गई। कई स्थानों पर एक ही परिवार के एक सदस्य का नाम सूची में है, जबकि अन्य सदस्यों को "अनुपस्थित" दर्शा दिया गया। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि आपत्ति दर्ज कराने की समय-सीमा और सूचना प्रणाली आम मतदाता तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँच पाई। ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी झुग्गियों, प्रवासी मजदूरों और अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में रहने वाले मतदाता सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। कई मामलों में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर सत्यापन न होने की शिकायतें दर्ज हुई हैं। लोकतंत्र में मताधिकार नागरिक का मूल अधिकार है। यदि राजस्थान जैसे बड़े राज्य में लाखों मतदाताओं के अधिकार संदेह के घेरे में आ जाएँ, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों पर सीधा आघात है। कांग्रेस की स्पष्ट मांग है कि राजस्थान में SIR प्रक्रिया की निष्पक्ष पुनर्समीक्षा हो, आपत्तियों के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और किसी भी मतदाता का नाम हटाने से पहले लिखित सूचना व सुनवाई सुनिश्चित की जाए। राजस्थान की जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों से कोई भी समझौता स्वीकार्य नहीं है।

-डॉ. मोहम्मद शोएब
(प्रदेश सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी)

रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

-अमीन कागजी और प्रतापसिंह खाचरियावास ने शिविर में शिरकत की

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । स्व. आमिर खान की चतुर्थ पुण्य तिथि पर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक जयपुर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजक अनवर हुसैन सीटीआई ने बताया ब्लड कैम्प का उद्घाटन किशनपोल विधायक अमीन कागजी एवं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास,प्रबंध निदेशक आनंद अग्रवाल ने किया, मुख्य अतिथि आईआरटीएस(सीसीएम) विवेक रावत ने प्रशंसा पत्र देकर रक्तदाताओं की हौसला बढ़ाया। विप्र सेना के वरिष्ठ उपाध्यक्ष समीर शर्मा अयूब गौरी, सलीम खान शाकिर हुसैन एवं स्व.आमिर खान के परिवार वालों ने रक्तदाताओं का सम्मान किया एवं धन्यवाद दीया। युवा आइकन कार्तिक भारद्वाज रवि चौधरी समीर हुसैन ने मनोबल बढ़ाया। रक्त दान में विशेष कर अजहरुद्दीन पार्षद, रियाज अहमद हेरिटेज वार्ड अध्यक्ष, फ़िरोज़ नागोरी पार्षद, राजेश रायका, जाकिर हुसैन, रियाज तिगरिया, आमीन, नासिर, रामेश्वर समोता शहजाद, साजिद अली, लियाकत अली, जावेद अय्यूब चौहान, अख्तर, जुबेर शोएब दानिश साहिल गौरी इशाक, सोहेल, रियाज खोखर, दीपक सैनी, हरग्यान, अरमान,धर्मेंद्र छिपा,वकील सुफियान याकूब गोरी, रोहित शर्मा, अनवर बनेटी यूनुस भाई अधिवक्ता इस्माइल याकूब, इम्तियाज खेजरोली शहजाद,विमलेश जाट हाजी फजलुद्दीन,जियाउरहमान, सद्दाम इम्तियाज, सफ़िल, इरफान आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। आयोजक अनवर हुसैन सीटीआई ने सभी का आभार जताते हुए बताया कि 59 यूनिट रक्तदान हुआ।

राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 के उपलक्ष्य में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा गए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पीसीपीएनडीटी द्वारा 23.01.2026 को ब्लॉक खंडार में संचालित पीएम महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लहसोड़ा ब्लॉक खंडार सवाई माधोपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लहसोड़ा ब्लॉक खंडार सवाई माधोपुर तथा 24.01.2026 को जिला मुख्यालय में स्थित एएनएम प्रशिक्षण सेंटर व बीएससी नर्सिंग कॉलेज सवाई माधोपुर में बेटी अनमोल है, बेटी बचाओ, भ्रूण लिंग परीक्षण को ना कहें, विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता नारा लेखन, लिंग चयन नहीं करवाने एवं ऐसा करवाने वालों की सूचना देने के संबंध में शपथ ग्रहण , परामर्श सत्र, स्वास्थ्य परीक्षण, पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 के प्रावधानों, मुखबिर प्रोत्साहन योजना सहित बालिकाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएम महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लहसोड़ा ब्लॉक खंडार सवाई माधोपुर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लहसोड़ा ब्लॉक खंडार सवाई माधोपुर में अध्यनरत छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण एनीमिया जांच व परामर्श सत्र का आयोजन उपरांत उनके द्वारा पोस्टर व नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यक्रम के अंत में उपस्थित मनोज मीणा प्राचार्य , नरेंद्र कुमार वर्मा उप प्राचार्य, पूर्व सरपंच,शिवराज सिंह चौहान, अनीता मीणा आशीष गौतम डीसीपी पीसीपीएनडीटी व्याख्याता एवं शिक्षक गणों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में डॉक्टर अनिल कुमार जैमिनी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर ने जिला मुख्यालय स्थित एएनएम प्रशिक्षण केंद्र व बीएससी नर्सिंग कॉलेज सवाई माधोपुर की उपस्थित छात्राओं को लिंग चयन नहीं करने एवं करवाने के लिए विभाग को सूचना देने तथा बेटा बेटी में भेदभाव नहीं करने इत्यादि के बारे में बालिकाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत चर्चा कर जानकारी प्रदान की गई तथा शपथ दिलवाई गई। आशीष गौतम कैस ऑफिसर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक पीसीपीएनडीटी ने मुखबीरों द्वारा प्राप्त लिंग चयन की पुख्ता सूचना उपरांत होने वाली डीकोय कार्रवाई के बारे में समझाया गया। आयोजन उपरांत उनके द्वारा पोस्टर, नारा लेखन प्रतियोगिता एवं कविता पाठ के विजेताओं को कार्यक्रम के अंत में उपस्थित डॉक्टर अनिल कुमार जैमिनी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर, डॉ. सैयद बलीग अहमद प्राचार्य, आशीष गौतम डीपीसी पीसीपीएनडीटी, सुनील कुमार जैमिनी सहित अन्य आचार्यगण द्वारा पुरस्कृत कर सम्मान किया गया।

जेडीए द्वारा वीर हनुमान जी मंदिर, सामोद में विकास कार्यों हेतु मिली ₹7.89 करोड़ की स्वीकृति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा चौमूं क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल वीर हनुमान जी मंदिर, सामोद में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार हेतु प्राधिकरण ने मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों (द्वितीय चरण) के लिए ₹7,89,59,686 रूपयों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता राजस्थान एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का आभार व्यक्त किया। जेडीए द्वारा मंदिर परिसर में किचन ब्लॉक निर्माण कार्य हेतु 3.60 करोड़, किचन ट्रस्ट हेतु 65 लाख रुपए, भव्य मुख्य द्वार और मंदिर तक पहुँचने के लिए व्यवस्थित पैदल मार्ग निर्माण हेतु 1.68 करोड़ रुपए एवं अन्य विविध कार्य हेतु 1.96 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि जेडीए द्वारा पीडब्ल्यूसी की मीटिंग में 7.89 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है तथा जेडीए द्वारा प्रथम चरण में 9.15 करोड़ रूपये की स्वीकृति जारी की थी। उक्त निर्माण कार्य से श्रद्धालुओं के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी। इस विकास कार्य से सामोद क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और धार्मिक स्थल पर आने वाले यात्रियों को सुगम अनुभव प्राप्त होगा।

इटावा-भोपजी के स्थित सीएचसी के नवीन भवन निर्माण का शिलान्यास

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के चोमू विधानसभा के स्थित ग्राम पंचायत इटावा भोपजी के स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नवीन भवन का शिलान्यास समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा वह एवं सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, चौमूं क्षेत्र के विधायक शिखा मील (बराला) पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पंचायत समिति के प्रधान रामस्वरूप यादव, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लाल चन्द कनिनवाला की उपस्थिति सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन करवा कर विधि-विधान से पूजा- अर्चना करवा कर पंडित महेश शास्त्री नवीन भवन की आधारशिला रखी गई। इस मौके पर अतिथियों के द्वारा शीला पट्टी का अनावरण का भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि अब प्रदेश की भजनलाल शर्मा के मैं प्रदेश के युवाओं के लिए 1लाख भर्तियों के लिए कैलेंडर जारी किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों के प्राथमिकता से पूरा करवाने का कार्य कर रही है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का आभार जताते हुए कहा की सीएचसी नवीन भवन निर्माण के लिए 8.32 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। इस अवसर पर गोविंदगढ़ पंचायत समिति के प्रधान राम स्वरूप यादव ने लिखित में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पंचायत के लिए 50-50 लाख रुपए दिए गए थे। लेकिन अब हर पंचायत के लिए एक-एक करोड रुपए दिलवाले की मांग रखी। इसी मौके पर मंत्री करने कहा कि आगे बजट में देखेंगे इस मौके पर आश्वासन दिया गया। इस मौके पर मंच के माध्यम से भामाशाहों को वीर हनुमान जी की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी जगपाल सिंह काजल, भाजपा नेता भगवान सहाय यादव, जयपाल सिंह शेखावत, अजय सिंह पलसानिया, महेंद्र कुमार वर्मा, ग्राम जनता सैकड़ो महिलाएं उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

अल्पसंख्यक समाज में भाजपा की रीति-नीति को आगे.....

इस अवसर पर अपने संबोधन में मदन राठौड़ ने कहा कि मेवाती एक अनुभवी, कर्मठ एवं जमीनी कार्यकर्ता हैं, जिनके नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदेशभर में उन राजनीतिक दलों को बेनकाब करें, जो केवल समाज के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे हैं, जबकि भाजपा ने सदैव सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर कार्य किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा, विकासपरक नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को अल्पसंख्यक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य करें। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के उत्थान, शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की सही जानकारी समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने की जिम्मेदारी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में मोर्चा इस दिशा में प्रभावी कार्य करेगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने पार्टी के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, राष्ट्रहित की सोच और विकास की राजनीति को अल्पसंख्यक समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। मेवाती ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे भाजपा संगठन से जुड़कर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री नारायण मीणा, मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. मजीद मलिक कमांडो, एम. सादिक खान, वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन अबूबकर नकवी, मदरसा बोर्ड चेयरमैन हिदायत खां धौलिया, मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. तसलीम बानो, पूर्व राष्ट्रीय मंत्री रेशमा हुसैन, वरिष्ठ नागरिक आयोग के प्रदेश संयोजक रविन्द्र जैन, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रमजान अली चौपदार, एम.डी. शेख और उद्योगपति तालीम शेख सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन फारूक राणा एवं मेहनाज पटेल ने कुशलतापूर्वक किया। समारोह का समापन संगठन को मजबूत करने, राष्ट्रहित में कार्य करने के संकल्प तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. इकबाल हुसैन खान
पूर्व प्रदेश सचिव : बहुजन समाज पार्टी राजस्थान
पता: प्लॉट नं. 54-55 बी, आमेर रोड, जलमहल के सामने, जयपुर

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी यासिर हुसैन सूफी
अध्यक्ष : जनता सेवा संघ, जयपुर

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल वहीद खान नियाजी
पार्षद वार्ड 5 हवामहल विधानसभा

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

उमराव कुरैशी
जिला अध्यक्ष : गुलाबी नगर ऑटो चालक, जयपुर
मजदूर यूनियन इंटक, जयपुर (मो-9772667638)

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

जफर मिर्जा
पूर्व शहर अध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, जयपुर

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मो. अशफाक नक़वी
डायरेक्टर : आज़ाद सीनियर सैकण्डरी स्कूल
मीठी कोठी, सूरजपोल रोड, जयपुर
मो.- 9649007786, ऑफिस: 8955383786

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

वसीम खान
पूर्व पार्षद पति वार्ड 28 नगर निगम जयपुर

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

शिवांशु शर्मा
सचिव - राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ
जलमहल ब्लॉक महासचिव

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
HAPPY REPUBLIC DAY
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
Studio 1, 2, 3 & 4 BHK Flats
Adarsh Nagar, Moti Dungri Road, Fateh Tiba, Jagatpura, Raja Park, Jawahar Nagar & Nearby Location
greatplusfm03@gmail.com
www.greatrealityplus.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

अनवर मोहम्मद
(अन्नू भाई)
जिला उपाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी (अल्पसंख्यक मोर्चा)
व अध्यक्ष - राजस्थान लखारा शीशगर समाज

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में टॉप-100 में भारत के सिर्फ एक कॉलेज को मिल पाई जगह

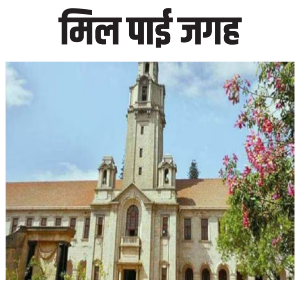

नई दिल्ली । टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) ने दुनिया की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी 2026 की लिस्ट जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारत के IISc Bengaluru को टॉप 100 में जगह मिली है THE की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, जहां अमेरिका और ब्रिटेन वैश्विक सूची में अपना दबदबा बनाए हुए हैं, वहीं 2026 के आंकड़ों से मालूम चलता है कि चीन कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग और फिजिक्स के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कर रहा है। दुनिया की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत की स्थिति एक बार फिर से सवालों के घेरे में है। टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट 2026 ने टॉप 100 यूनिवर्सिटी की लिस्ट जारी कर दी है। इसके नतीजे बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर जहां अमेरिका और ब्रिटेन का दबदबा कायम है, वहीं एशियाई देशों खासतौर पर चीन और सिंगापुर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
6376054734 8824359161
A.G.
CAT FOOD SHOP
HOME DELIVERY AVAILABLE
Shop No. 179, Near Char Darwaza Gate, Ghora Nikas Road, Jaipur (Raj) 302002

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
S. K. H. MEMORIAL SCHOOL
Recognised By Raj. Govt.
An English Medium Co-Educational School
COURSE BASED ON CBSE PATTERN
Address: B-714, 715, Bhatta Basti, Shastri Nagar, Jaipur
M. : 9887671786, 7014715502

vedanta transforming for good | HINDUSTAN ZINC Zinc & Silver of India

ज़िंक बनाये आपका आज सुरक्षित और मजबूत रखे देश का कल।

विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत ज़िंक और शीर्ष पाँच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक इस गणतंत्र दिवस पर शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत पर गर्व करता है।

HAPPY Republic DAY
SAFE SMART SUSTAINABLE

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. | Contact No: +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN L27204RJ1966PLC001208
www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ www.facebook.com/HindustanZinc/ x.com/Hindustan_Zinc_ www.instagram.com/hindustan_zinc/

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

ईरान विश्व का एकमात्र देश है जो अमेरिका से सीधे युद्ध की हिम्मत दिखा रहा है

अमेरिका विश्व का सबसे शक्तिशाली देश माना जाता है। पूरे विश्व में अमेरिका का आर्थिक, राजनीतिक एवं सैन्य मामलों में दखल माना जाता है। अमेरिका दुनिया के अधिकतर देशों में अंदर तक दखल देता है। अमेरिका के विरोध में चलने वाले दर्जनों देशों के शासनाध्यक्षों को सत्ता से हाथ धोना पड़ा है। कोई भी देश अमेरिका से सीधी लड़ाई की हिम्मत नहीं रखता है। अमेरिका एकमात्र देश है जो विश्व के किसी भी देश और उसके शासनाध्यक्ष को धमका सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पहले अमेरिका की ओर से धमकियां गुप्त एवं एजेंसियों की ओर से देश एवं राष्ट्राध्यक्ष को दी जाती थी, लेकिन वर्तमान में धमकियां देने का काम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वयं ले रखा है। अमेरिका के राष्ट्रपति विश्व के एकमात्र शासनाध्यक्ष हैं जो कुछ भी गुप्त या छुपाकर नहीं रखते हैं। जो उनके दिल में होता है वह मीडिया के जरिए तुरंत सबको पता चल जाता है। अमेरिका की नीति अब सब देशों के सामने आ चुकी है। दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, भारत सहित कई अन्य देश अमेरिका की मनमानी के सामने झुकने के लिए तैयार नहीं हैं। यह देश मिलकर जहां भी दो देशों के बीच टकराव होता है, अमेरिका के सामने खड़े हो जाते हैं। यही कारण है कि अमेरिका को पिछले दशक में कई मोर्चों पर पीछे हटना पड़ा या फिर डिफीट खानी पड़ी है। आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका तेजी से कमजोर हो रहा है। अमेरिका की जीडीपी से ज्यादा वह कर्जदार है। अमेरिका की आमदनी जो लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, मिसाइलों एवं अन्य सैन्य साजो सामान बेचकर होती थी, काफी कम हो गई है। अमेरिकी हथियार खरीदने वाले देश अब चीन, तुर्की, पाकिस्तान, भारत, फ्रांस, ब्रिटेन से हथियार खरीद रहे हैं। अमेरिकी हथियारों की सर्वोच्चता भी तेजी से नीचे गिर रही है। इजराईल और यूक्रेन की हार ने अमेरिकी वर्चस्व की पोल खोल कर रखती है। इजराईल को शक्तिशाली बनाकर अमेरिका ने चार-पांच दशकों तक पश्चिमी एशिया के मुस्लिम देशों पर वर्चस्व बनाए रखा। लेकिन इज़राईल का ईरान से हारना अमेरिका के लिए मुसीबत बन गई। ईरान अमेरिका को खुला चैलेंज दे रहा है। ईरान परमाणु बम बनाने के नजदीक है। ईरान यदि परमाणु बम बना लेता है तो अमेरिका और इजराईल की मुसीबतें और बढ़ जाएंगी। इसलिए अमेरिका ईरान को झुकाने के लिए उस पर आक्रमण करना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को बर्बाद करने की बार-बार धमकी दे रहे हैं। लेकिन ईरान पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। इसके उलट ईरान का कहना है कि यदि उसमें ईरान पर आक्रमण किया तो खाड़ी देश में अमेरिका के जितने भी सैनिक अड्डे हैं, बर्बाद कर दिए जाएंगे। ईरान विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जो अमेरिका से सीधी टक्कर लेने के लिए तैयार खड़ा है। अमेरिका धमकी पर धमकी दे रहा है। लेकिन उसकी ईरान पर हमला करने की हिम्मत नहीं हो रही है। इजराईल में पहले जैसी ताकत नहीं बची है। नाटो देश भी अमेरिका का साथ देने से बच रहे हैं। ईरान से युद्ध की तैयारी में सिर्फ इसराईल और अमेरिका ही साथ दिखाई दे रहे है। ज्यादातर अमेरिका के मित्र मुस्लिम देश भी ईरान पर अमेरिकी आक्रमण का विरोध करने लगे हैं। यदि युद्ध हुआ तो अमेरिका को बड़ा नुकसान होने का अंदेशा है। चीन और रूस पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं, इसलिए कहा जा सकता है कि यदि ईरान अमेरिका में युद्ध हुआ तो भयंकर युद्ध होगा और विश्व के ज्यादातर देश इस युद्ध से प्रभावित होंगे।

संवैधानिक मूल्य: गणतंत्र की आत्मा और नागरिक दायित्व

-बाबूलाल नागा

भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक जीवंत दर्शन है, जो देश की आत्मा, उसकी चेतना और दिशा—तीनों को परिभाषित करता है। संविधान की उद्देशिका में निहित स्वतंत्रता, समता, समानता, बंधुता, संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र जैसे मूल्य पूरे संविधान की वैचारिक रीढ़ हैं। ये मूल्य "हम भारत के लोग" द्वारा स्वयं को दी गई वह सामूहिक प्रतिबद्धता हैं, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी निरंतर स्मरण कराती है। संविधान का सच्चा सम्मान केवल औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि इन मूल्यों को अपने व्यवहार और सार्वजनिक जीवन में उतारने से होता है। भारत 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ मना रहा है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया और 26 जनवरी 1950 को इसे देश की शासन व्यवस्था के रूप में लागू किया गया। यह वही ऐतिहासिक क्षण था, जब भारत औपनिवेशिक शासन की छाया से बाहर निकलकर एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र दिवस केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि वर्तमान का आत्मावलोकन और भविष्य का संकल्प भी है। संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्य हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़े हुए हैं। ये हमें बताते हैं कि नागरिक होना केवल अधिकारों का उपभोग करना नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना भी है। समानता और न्याय जैसे मूल्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर और सम्मान पहुंचाने की संवैधानिक भावना को सुदृढ़ करते हैं। लोकतंत्र की सार्थकता इसी में है कि सत्ता का केंद्र केवल संस्थाएं नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक हों। भारतीय संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण करता है—विचार, अभिव्यक्ति, आस्था और गरिमापूर्ण जीवन की स्वतंत्रता। यह स्वतंत्रता नागरिकों को अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार देती है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करती है कि स्वतंत्रता अनुशासन और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहे। अधिकार और कर्तव्य के इसी संतुलन में लोकतंत्र की स्थायित्व और विश्वसनीयता निहित है। संविधान

राष्ट्रीय एकता और अखंडता का भी मजबूत आधार प्रस्तुत करता है। भारत विविधताओं का देश है—यहां अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं सह अस्तित्व में हैं। यही विविधता सदियों से भारत की पहचान और शक्ति रही है। बंधुता का संवैधानिक मूल्य हमें यह सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक साझा राष्ट्रीय चेतना से जुड़े हैं और परस्पर सम्मान ही राष्ट्र को मजबूती देता है। संविधान निर्माताओं ने सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय की स्थापना का स्वप्न देखा था। यह स्वप्न तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक नागरिक स्वयं इसके लिए सजग, जागरूक और सक्रिय न हों। अन्याय, भेदभाव और असमानता के विरुद्ध आवाज़ उठाना केवल नैतिक साहस नहीं, बल्कि एक संवैधानिक दायित्व भी है। लोकतंत्र तब कमजोर पड़ता है, जब नागरिक मौन दर्शक बन जाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा, अनुभव या क्षमता होती है। यदि उसका उपयोग समाज के हित में किया जाए, तो सामाजिक परिवर्तन की गति स्वतः तेज हो सकती है। जब समाज सशक्त होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। यह परिवर्तन केवल नीतियों या कानूनों से नहीं, बल्कि नागरिकों की सोच, व्यवहार और सहभागिता से संभव है। आज के समय में राष्ट्रीय एकता, शांति, सद्भाव और आपसी विश्वास की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। संवाद की जगह टकराव और सहमति की जगह विभाजन समाज को कमजोर करता है। प्रेम, मेलजोल और आपसी समझ से ही लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। हमारे महामानवों ने जिस भारत की परिकल्पना की थी—जहां न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता का संतुलन हो—हमें उसी वैचारिक दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा। इसके लिए ऐसे सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयासों की आवश्यकता है, जो विभिन्न समुदायों को एक-दूसरे के करीब लाएं। सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करना भारतीयता की मूल पहचान है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि हम अपने संविधान को पढ़ें, समझें और उसके मूल्यों को अपने व्यवहार में उतारें। संविधान मानवतावादी है—समानता, गरिमा और न्याय का संरक्षक। गणतंत्र दिवस का अर्थ केवल परेड, भाषण या तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है—संविधान को अपने जीवन में जीना। जब तक संवैधानिक मूल्य केवल पुस्तकों और औपचारिक समारोहों तक सीमित रहेंगे, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। सच्चा गणतंत्र वही है, जहां नागरिक अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो, भिन्नताओं का सम्मान करे और समाज के कमजोर वर्ग के साथ खड़ा दिखाई दे। डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा देखे गए भारत का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक नागरिक यह समझे कि संविधान केवल शासन का आधार नहीं, बल्कि हमारी साझा नैतिक जिम्मेदारी है। यही गणतंत्र दिवस का वास्तविक संदेश और सबसे बड़ा संकल्प होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

इल्म-ए-लादुनी

-फ़ज़लुर्रहमान

इल्मे लादुनी क्या है?

इल्मे लादुनी वह ज्ञान है जो सीधे अल्लाह की तरफ़ से दिल (क़ल्ब) में डाला जाता है, बिना किसी औपचारिक शिक्षा, किताब, उस्ताद या तर्क-वितर्क के, अर्थात इल्म-ए-लादूनी को "सीखा" नहीं जा सकता, बल्कि यह अल्लाह का एक अनुग्रह (मेहर-ए-इलाही) है जो उसके चुने हुए बंदों को उनकी आध्यात्मिक योग्यता के अनुसार प्रदान किया जाता है। इसका स्पष्ट संकेत क़ुरआन में मिलता है। "और हमने उसे अपने पास से विशेष ज्ञान सिखाया।" (सूरह अल-कहफ़ 18:65) यह आयत हज़रत ख़िज़्र (अलैहिस्सलाम) के बारे में है, जिन्हें यह विशेष ज्ञान अल्लाह के द्वारा प्रदान किया गया।

विद्वानों की परिभाषाएँ

- इब्ने अब्बास (सहाबी) के अनुसार: "इल्म-ए-लादूनी ग़ैब (अदृश्य) और भविष्य की खबरों का ज्ञान है"।
- जुनैद बग़दादी (सूफ़ी संत) के अनुसार: "यह छिपे हुए रहस्यों पर से प्रकाश के पर्दे हटने का नाम है"।
- इमाम ग़ज़ाली के अनुसार: "वह ज्ञान जो बाहरी, सामान्य कारणों के बिना ही दिल के रहस्यमय केंद्र में खुल जाता है"।
- फ़ख़रुद्दीन राज़ी के अनुसार: "सूफ़ियों के अनुसार, यह वह ज्ञान है जो सीधे आध्यात्मिक प्रकटीकरण (मुकाशफ़ात) के माध्यम से प्राप्त होता है"।
- नज्मुद्दीन कुब्रा के अनुसार: "ईश्वर के सार और उसके गुणों का वह ज्ञान, जिसे वह स्वयं सिखाए बिना कोई नहीं जान सकता"।

इल्मे लादुनी की विशेषताएँ:-

1.यह वह्बी (ईश्वरीय उपहार) है, अर्जित (कस्बी) नहीं
2. दिल की पाकीज़गी और रूहानी तैयारी से जुड़ा होता है
3. यह शरीअत के ख़िलाफ़ नहीं होता
4. आम तौर पर औलिया-ए-अल्लाह को अता होता है
5. इसमें चीज़ों की हक़ीक़त और बारीक पहलू खुलते हैं।

इल्मे लादुन्नी और इल्मे ज़ाहिरी में फ़र्क़

इल्मे ज़ाहिरी	इल्मे लादुनी
किताबों से	अल्लाह की तरफ़ से
मेहनत से हासिल	अता के तौर पर
हर किसी को	ख़ास बंदों को
अक़्ल आधारित	दिल आधारित

इमाम ग़ज़ाली के मुताबिक : इल्मे लादुनी दिल के आईने में उतरने वाली रोशनी है।

इब्ने अरबी के मुताबिक : यह इल्हाम है, लेकिन नबूवत नहीं। "लादुनी इल्म" का मापदंड यही है कि वह क़ुरआन और सुन्नत के ख़िलाफ़ न हो। संक्षेप में इल्मे लादुनी वह रूहानी ज्ञान है जो अल्लाह अपने नेक और चुने हुए बंदों को दिल के ज़रिये अता करता है।

इल्मे लादुनी, इल्हाम और कश्फ़ में— फ़र्क़

▫ इल्मे लादुनी
अल्लाह की तरफ़ से सीधा दिल में डाला गया ज्ञान
चीज़ों की हक़ीक़त (Reality) समझ में आती है
यह स्थायी समझ बन जाता है

▫ इल्हाम
दिल में आने वाली सही प्रेरणा या ख़याल
आम नेक मोमिन को भी हो सकता है
यह नबूवत नहीं है > हदीस: "मोमिन का फ़िरासत अल्लाह की रोशनी से होती है"

▫ कश्फ़
किसी पर्दे का हट जाना, ग़ैब के कुछ पहलुओं का खुलना
यह ज्ञान नहीं, बल्कि अनुभव है। इस तरह हर कश्फ़ इल्म नहीं होता, हर इल्हाम लादुन्नी इल्म नहीं होता। प्रश्न उठता है कि क्या आज के दौर में इल्मे लादुनी मिलता है ? सिद्धांत रूप से कह सकते है— हाँ। किन्तु दावे के रूप में — बेहद ख़तरनाक है। सूफ़ियों की राय में इल्मे लादुनी ख़ामोशी से मिलता है, जो शख़्स इसका ढिंढोरा पीटे, उस पर शक किया जाता है। औलिया खुद को आम आदमी से बेहतर नहीं बताते।

सच्चे इल्मे लादुनी की पहचान (मापदंड) वह इल्म जो
1. क़ुरआन और सुन्नत के ख़िलाफ़ न हो
2. जिससे लेने वाले में विनम्रता बढ़े
3. नफ़्स कमज़ोर हो, और तक़्वा बढ़े
4. दुनिया की लालच न बढ़े
5. शौहरत और पैसा जिनका मक़सद न बने

अगर कोई कहे: "अब शरीअत की ज़रूरत नहीं" या" मैं जो कहूं वही हक़ है" और कहे कि "मुझ पर सवाल नहीं उठ सकता" समझ लीजिए: यह इल्मे लादुनी नहीं, नफ़्स है। सबसे बड़ा भ्रम ,बहुत से लोग समझते हैं: > इल्मे लादुनी = ग़ैब जान लेना , यह ग़लत है - ग़ैब का पूरा इल्म सिर्फ़ अल्लाह के पास है और औलिया को सिर्फ़ जितना बताया जाए, उतना ही उसके पास होता है। एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या इल्मे लादुनी हासिल किया जा सकता है? तो स्पष्ट है कि यह सीखा नहीं जा सकता लेकिन अपने आप को इसके क़ाबिल बनाया जा सकता है। जिसका रास्ता है - इल्मे ज़ाहिरी (क़ुरआन–सुन्नत) सीखना ,नफ़्स की इस्लाह करना इख़लास (ख़ालिस नियत) तौबा, ज़िक्र, सब्र और अल्लाह से इल्म की दुआ करना शामिल है। दुआ: > "रब्बि ज़िद्नी इल्मा" (ऐ रब! मुझे इल्म में बढ़ा दे)।

संक्षेप में (एक लाइन में) > इल्मे लादुनी अल्लाह की नेमत है, तमगा नहीं।

इमाम अबू हामिद अल-ग़ज़ाली (रह.) का इल्मे लादुनी से जुड़ा अनुभव इस्लामी बौद्धिक इतिहास का सबसे प्रामाणिक और ईमानदार आत्मवृत्तांत माना जाता है। वह इसे दावा नहीं, बल्कि अंदरूनी संघर्ष और अल्लाह की देन के रूप में बयान करते हैं। इमाम ग़ज़ाली को जब ज़ाहिरी इल्म बेकार लगने लगा और जबकि वह, यानि इमाम ग़ज़ाली अपने समय के सबसे बड़े आलिम थे: निज़ामिया मदरसा, बग़दाद के प्रमुख उस्ताद थे, फ़िक़्ह, कलाम, दर्शन — सब में माहिर।

शेष अगले अंक में....

अरुजी समरकंदी "सांस्कृतिक राजदूत"

पिछले अंक से आगे....

सुल्तान ने अल-बिरूनी को गलत साबित करने के लिए उन चारों दरवाजों में से किसी का उपयोग नहीं किया। इसके बजाय, उसने दीवार तुड़वाकर एक पाँचवा रास्ता बनवाया और वहाँ से बाहर निकल गया। फिर जब सुल्तान वापस आया और सिंहासन के नीचे रखा कागज का टुकड़ा देखा, तो वह दंग रह गया। अल-बिरूनी ने पहले ही लिख दिया था: "सुल्तान न तो चारों दरवाजों से निकलेंगे और न ही छत से; वे दीवार तुड़वाकर एक नया रास्ता बनवाएंगे और वहीं से बाहर जाएंगे।"यद्यपि यह कहानी एक चमत्कार जैसी लगती है, लेकिन अरुजी समरकंदी ने इसे यह बताने के लिए लिखा था कि उस समय के वैज्ञानिक संभाव्यता (Probability) और मानव मनोविज्ञान को गणित के साथ कितनी गहराई से जोड़ते थे। अरुजी समरकंदी ने प्रसिद्ध गणितज्ञ उमर खय्याम से अपनी व्यक्तिगत मुलाकात का भी जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि खय्याम ने अपनी मृत्यु की सटीक भविष्यवाणी की थी, जो बाद में सच साबित हुई। उमर खय्याम को आज दुनियां उन्हें उनकी 'रुबाइयों' (कविताओं) के लिए जानती है, लेकिन अरुजी समरकंदी ने उन्हें एक महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री के रूप में चित्रित किया है।

उमर खय्याम ने सुल्तान के लिए एक नया कैलेंडर बनाया जिसे 'जलाली कैलेंडर' कहा जाता है। यह कैलेंडर आज के 'ग्रेगोरियन कैलेंडर' (जो हम इस्तेमाल करते हैं) से भी अधिक सटीक था। नौरोज़ तब मनाया जाता है जब सूर्य भूमध्य रेखा को पार करता है और दिन-रात बराबर होते हैं। पुराने कैलेंडरों में समय की गणना सटीक न होने के कारण यह त्यौहार अक्सर सही दिन पर नहीं आता था, उमर खय्याम ने अपने 'जलाली कैलेंडर' के जरिए सूर्य की स्थिति को इतना सटीक मापा कि नौरोज़ हर साल उसी पल शुरू होता है जब प्रकृति

वसंत का स्वागत करती है।

उमर खय्याम ने 'क्यूबिक इक्वेशंस' (x^3) को हल करने के ज्यामितीय तरीके खोजे और पास्कल ट्रायंगल के सिद्धांतों पर काम किया। अरुजी लिखते हैं कि उन्होंने यानी खय्याम को खुद यह कहते सुना था, "मेरी कब्र ऐसी जगह होगी जहाँ साल में दो बार फूल गिरेंगे।" वर्षों बाद जब अरुजी उनकी कब्र पर गए, तो उन्होंने देखा कि पास के बाग से नाशपाती और खुबानी के फूल उनकी कब्र को ढके हुए थे।

अरुजी ने इब्न सिना को एक ऐसे डॉक्टर के रूप में पेश किया है जो न केवल शरीर बल्कि मनोविज्ञान के भी विशेषज्ञ थे। अरुजी ने एक प्रसिद्ध कहानी लिखी है जिसमें एक राजकुमार बीमार था और कोई डॉक्टर उसका इलाज नहीं कर पा रहा था। इब्न सिना ने राजकुमार की नब्ज पकड़ी और अलग-अलग शहरों और मोहल्लों के नाम लेने को कहा।

जब एक खास मोहल्ले और लड़की का नाम आया, तो नब्ज तेज हो गई। इब्न सिना ने पहचान लिया कि यह शारीरिक बीमारी नहीं बल्कि 'प्रेम' है।

इब्न सिना (Avicenna) के अद्भुत इलाज का एक और किस्सा, अरुजी समरकंदी की पुस्तक से उनका एक और मशहूर किस्सा "गाय होने का भ्रम"। राजकुमार मानसिक रूप से बीमार हो गया और खुद को 'गाय' समझने लगा। वह खाना-पीना छोड़ चुका था और केवल यह चिल्लाता था कि "मुझे ज़ब्ह (काट) कर मेरा मांस बेच दो।" इब्न सिना ने एक कसाई का वेश धारण किया और हाथ में छुरी लेकर आए। उन्होंने चिल्लाकर कहा, "वह गाय कहाँ है जिसे काटना है?" जब राजकुमार को उनके सामने लाया गया, तो इब्न सिना ने उसके हाथ-पैर बांधे और फिर उसे छूकर कहा, "यह गाय तो बहुत दुबली है! इसका मांस अच्छा नहीं होगा। इसे पहले खूब खिलाओ-पिलाओ ताकि यह मोटी हो जाए, फिर मैं इसे काटूँगा। "राजकुमार ने 'जल्द कटने' की इच्छा में खूब खाना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे उसका शरीर स्वस्थ हुआ, उसका मानसिक भ्रम दूर हो गया और वह पूरी तरह ठीक हो गया।

इब्न सिना का 'क्वारंटाइन' (Quarantine) का सिद्धांत :- एक बहुत ही आधुनिक विचार जो इब्न सिना ने दिया था, वह था 'अल-अरबैनिया' (Al-Arba'iniya), जिसे आज क्वारंटाइन कहते हैं।

उन्होंने देखा कि कुछ बीमारियाँ हवा और स्पर्श के माध्यम से फैलती हैं।उन्होंने सुझाव दिया कि संक्रामक रोग से पीड़ित व्यक्ति को 40 दिनों तक अलग रखा जाना चाहिए। 'क्वारंटाइन' शब्द इतालवी शब्द quaranta (चालीस) से आया है, जो इब्न सिना के इसी 40 दिन के सिद्धांत पर आधारित है।

इन सभी वैज्ञानिकों—मंसूर, अल-बिरूनी, उमर खय्याम और इब्न सिना—की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे केवल एक विषय के विशेषज्ञ नहीं थे। वे 'पॉलीमैथ' (Polymaths) थे।

मंसूर ने गणित दिया। खय्याम ने उस गणित से समय को मापा। इब्न सिना ने जीवन की रक्षा के सूत्र दिए, और अरुजी समरकंदी ने इन सबकी कहानियों को इतिहास में दर्ज किया।

-फ़ज़लुर्रहमान

दौलत खुदा से गाफ़िल कर देती है

रसूले मकबूल सलअम ने फरमाया कि दौलत खुदा से गाफ़िल कर देती है। आपने हमेशा सरमायादारी और दौलतमंदी को ना पसंद फरमाया है। चुनांचि आपकी खुद हालत यह थी कि जो रकम वसूल होती थी उसको गरीबों और हकदारों में तक़सीम फरमा देते थे और उसी रोज़ रात को हुज़ूरे अकरम के घर में फ़ाक़ा होता था। हुज़ूरे अकरम दौलतमंदी को किस तरह मुसलमानों के लिए लानत समझते थे इसका अंदाजा बुखारी शरीफ को हस्बे ज़ेल हदीस से हो सकता है। इब्ने उमर बिन ओफ रजि. अ. का बयान है कि रसूल सलअम ने अबू उबैदा बिन ज़र्राह रजि. अ. को बहरीन की तरफ जज़िया (टैक्स) लाने के लिए भेजा। जब वह जज़िया लेकर आए और अंसार से सुना तो सब के सब सुबह की नमाज़ में रसूल अल्लाह सलअम के साथ शरीफ हुए, जब आप नमाज़ से फ़ारिग हुए तो ये सब सामने आ गए। आप मुस्कुराए और फरमाया कि मैं गुमान करता हूं कि तुम अबु उबैदा की खबर सुनकर कि वह कुछ लाए हैं आए हो। सबने कहा कि बेशक या रसूल अल्लाह आपने फ़रमाया बशारत हो तुम्हें और उम्मीद रखो उस चीज़ की जो तुम्हें खुश करेगी और कसम है अल्लाह की मुझे तुम्हारी बाबत फख्र से कुछ अंदेशा नहीं है। बल्कि अंदेशा तो यह है कि कहीं तुम पहले लोगों कि तरह मालदार न हो जाओ और दुनिया से मोहब्बत करने लगो और यह दुनिया उनकी तरह तुम्हें भी याद-ए-इलाही से ना भुला दे। इसलिए दौलतमंदी दुनिया का बहुत बड़ा फितना है। दौलत मंदी इंसान को खुद ही से गाफिल नहीं कर देता बल्कि इंसानी अखलाक को भी पस्त (गिराना) करती चली जाती है। इसीलिए इस्लाम ने 1400 साल पहले सरमायादारी के खिलाफ आवाज़ बुलंद की थी। आज के ज़माने का सोशलिज्म इस्लाम इसी तालीम की नकल है। दुआ है कि अल्लाह तआला हर दौलतमंद शख्स को दुनिया मोहब्बत से और दौलत के फ़ितने से महफ़ूज़ रखे। आमीन

-हबीबुल्लाह एडवोकेट, जवाहर नगर जयपुर

शहादत दिवस 26 जनवरी पर विशेष:

इतिहास के हाशिये पर एक क्रांतिकारी फकीर मजनू शाह मलंग मदारी और अधूरा राष्ट्रीय क़र्ज़

-शाह मोहम्मद शमीम

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल 1857 या 1920 के बाद शुरू नहीं हुआ था। अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ प्रतिरोध की जड़ें उससे कहीं गहरी और व्यापक हैं। दुर्भाग्यवश, हमारा औपचारिक इतिहास उन शुरुआती संघर्षों और संघर्षकर्ताओं के साथ न्याय नहीं कर पाया, जो सत्ता के ढांचे से बाहर रहकर लड़े। हज़रत मजनू शाह मलंग मदारी ऐसे ही एक क्रांतिकारी थे, सूफ़ी फकीर, मलंग और अंग्रेज़ी साम्राज्य के लिए तीन दशकों तक सिरदर्द बने विद्रोही। मजनू शाह मलंग का जन्म हरियाणा के मेवात क्षेत्र में हुआ। वे 'मलंग' थे, भटकने वाले सूफ़ी फकीर, जिनका जीवन किसी एक भूभाग या पहचान तक सीमित नहीं होता। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर ज़िले के मकनपुर में मदारिया सिलसिले के प्रमुख संत हज़रत बदीउद्दीन ज़िंदा शाह मदार से दीक्षा ली। आगे चलकर बंगाल के दीनाजपुर ज़िले में उन्होंने मदारिया फकीरों का नेतृत्व संभाला और वहीं से अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की नींव पड़ी। अंग्रेज़ों ने इस आंदोलन को तिरस्कार में 'पागलपंथी' कहा, लेकिन हकीकत यह थी कि यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए अत्यंत खतरनाक था। इसकी सबसे बड़ी ताक़त यही थी कि इसके योद्धा—फकीर और मलंग, न किसी स्थायी ठिकाने से बंधे थे, न किसी सत्ता-संरचना से। वे गांव-गांव जाकर ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों, भारी करों और शोषण के खिलाफ जनता को जागरूक करते थे। बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक मजनू शाह मलंग का प्रभाव फैल चुका था। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि मजनू शाह मलंग अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाते थे। अचानक हमले, तेज़ी से स्थान परिवर्तन और स्थानीय समर्थन.... यह सब अंग्रेज़ी सेना के लिए नई और असहज स्थिति थी। उन्हें पकड़ने और उनके प्रतिरोध को कुचलने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने विशेष रूप से लेफ्टिनेंट ब्रेनन को नियुक्त किया।

8 दिसंबर 1786 को मजनू शाह मलंग को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल किया गया। घायल अवस्था में भी वे अंग्रेजों को चकमा देकर कानपुर के मकनपुर पहुंचे, जहां उन्हें स्थानीय लोगों ने शरण दी। लेकिन चोटें जानलेवा थीं और 26 जनवरी 1787 को उनका इंतकाल हो गया। यह तथ्य अपने आप में सवाल खड़ा करता है कि जो व्यक्ति 18वीं सदी में अंग्रेज़ी सत्ता को चुनौती दे रहा था, जिसे अंग्रेज़ी अभिलेखों में खतरनाक विद्रोही माना गया, वह आज भारत में लगभग गुमनाम क्यों है? विडंबना यह है कि जिस मजनू शाह मलंग को भारत भुला चुका है, बांग्लादेश में वही आज भी एक क्रांतिकारी नायक के रूप में सम्मानित हैं। उनकी संघर्षगाथा वहां के साहित्य और लोककथाओं में सुरक्षित है। उन पर फिल्में बनी हैं और हाल के वर्षों में बांग्लादेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण पुल का नाम मजनू शाह मलंग के नाम पर रखकर उन्हें राष्ट्रीय श्रद्धांजलि दी है। यह स्थिति हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करती है। क्या हमारा स्वतंत्रता संग्राम केवल उन्हीं तक सीमित है, जो औपनिवेशिक प्रशासन की फाइलों में "मान्य" थे..? क्या सूफ़ी फकीरों, आदिवासी नेताओं और लोकनायकों का संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा नहीं था..? आज आवश्यकता है कि मजनू शाह मलंग मदारी जैसे व्यक्तित्वों को इतिहास के हाशिये से निकालकर केंद्र में लाया जाए। उन्हें औपचारिक रूप से स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा, उनके जीवन पर शोध, और पाठ्यक्रमों में समुचित स्थान मिलना चाहिए। यह केवल एक व्यक्ति को सम्मान देने का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस व्यापक जनसंघर्ष को स्वीकार करने का प्रश्न है, जिसने भारत की आज़ादी की नींव रखी। क्योंकि इतिहास का कर्ज़ तब तक नहीं उतरता, जब तक हम उन फकीरों को भी याद न करें, जिन्होंने बिना ताज, बिना तलवार और बिना सत्ता के एक साम्राज्य को चुनौती दी।

(लेखक पूर्व पत्रकार और सूफ़ी विचारक हैं, शाह(फकीर) समाज के उत्थान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता एवं जागरूकता हेतु कार्यरत हैं।)

हरियाणा में असिस्टेंट इंजीनियर के 50 पदों पर भर्ती

हरियाणा लोक सेवा आयोग यानी HPSC की ओर से असिस्टेंट इंजीनियर के 50 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया 13 जनवरी से शुरू होगी। इसके बाद कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट hpsc.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे। आवेदन की लास्ट डेट 12 फरवरी, 2026 शाम पांच बजे तक तय की गई है।

आवेदन शुरू :
13 जनवरी से 12 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन:
इस पद पर आवेदन करने के लिए कैंडिडेट्स के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूशन से इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए।
इसके अलावा, उम्मीदवारों ने कक्षा 10वीं तक हिंदी या संस्कृत पढ़ी हुई होनी चाहिए।

एज लिमिट:
उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और 42 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
विशेष वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।
आयु की गणना 12 फरवरी, 2026 के आधार पर की जाएगी।

एप्लिकेशन फीस:
जनरल कैटेगरी के कैंडिडेट्स के लिए एप्लिकेशन फीस 1,000 रुपए निर्धारित की गई है।
EWS, OBC, SC, ST और महिलाओं के लिए एप्लिकेशन फीस 250 रुपए है।
दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए एप्लिकेशन फीस नि:शुल्क है।

सैलरी स्ट्रक्चर:
सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को 53,100 रुपए से लेकर 1,67,800 रुपए तक प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई:
HPSC की ऑफिशियल वेबसाइट hpsc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
लिंक पर क्लिक करने के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी आदि दर्ज करें।

रेलवे में 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने ग्रुप-डी लेवल-1 भर्ती की संशोधित तारीख जारी कर दी है। 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन 21 जनवरी से शुरू होने वाला था, जिसे 31 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उम्मीदवार 31 जनवरी 2025 से ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
31 जनवरी से 02 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास या NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष :
35 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना
4 मिनट और 15 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।
महिला :
20 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना।
5 मिनट और 40 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 36 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, ईबीसी, महिला, ट्रांसजेंडर : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
22,500 - 25,380 रुपए प्रतिमाह

कट ऑफ :
सामान्य : 40
ईडब्ल्यूएस : 40
ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 30
एससी, एसटी : 30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

71.'मिंटो-मॉर्ले सुधार' कब हुए?
(A) 1907 ई. (B) 1909 ई.
(C) 1911 ई. (D) 1916 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1909 के मिंटो-मॉर्ले सुधारों से पहली बार पृथक निर्वाचन प्रणाली (Separate Electorates) लागू हुई।

72. 'होम रूल आंदोलन' का नेतृत्व किसने किया?
(A) एनी बेसेन्ट
(B) बाल गंगाधर तिलक
(C) दोनों (D) गांधीजी
उत्तर: (C)
व्याख्या: एनी बेसेन्ट और बाल गंगाधर तिलक ने 1916 में होम रूल आंदोलन चलाया।

73. 'लखनऊ समझौता' कब हुआ?
(A) 1909 ई. (B) 1916 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता हुआ था।

74. गांधीजी भारत कब लौटे?
(A) 1914 ई. (B) 1915 ई.
(C) 1916 ई. (D) 1917 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए।

75. गांधीजी का पहला सत्याग्रह आंदोलन भारत में कहाँ हुआ?
(A) चंपारण (B) खेड़ा
(C) अहमदाबाद (D) बारडोली
उत्तर: (A)
व्याख्या: गांधीजी ने 1917 में बिहार के चंपारण में नील किसानों के लिए पहला सत्याग्रह आंदोलन चलाया।

76. 'रॉलेट एक्ट' कब पारित हुआ?
(A) 1917 ई. (B) 1918 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1919 के रॉलेट एक्ट ने बिना मुकदमे के गिरफ्तारी की अनुमति दी जिससे देशभर में विरोध हुआ।

77. 'जलियांवाला बाग हत्याकांड' कब हुआ था?
(A) 1917 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1921 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में जनरल डायर ने निहत्थे लोगों पर गोली चलवाई।

78. 'खिलाफत आंदोलन' का उद्देश्य क्या था?
(A) ब्रिटिश शासन समाप्त करना
(B) तुर्की खलीफा की रक्षा करना
(C) स्वराज प्राप्त करना
(D) हिन्दू-मुस्लिम एकता
उत्तर: (B)
व्याख्या: खिलाफत आंदोलन का उद्देश्य प्रथम विश्व युद्ध के बाद तुर्की खलीफा के पद को बनाए रखना था।

79. 'असहयोग आंदोलन' कब आरंभ हुआ?
(A) 1919 ई. (B) 1920 ई.
(C) 1921 ई. (D) 1922 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी ने 1920 में असहयोग आंदोलन शुरू किया जिसमें सरकारी संस्थाओं के बहिष्कार का आह्वान किया गया।

80. असहयोग आंदोलन क्यों स्थगित किया गया?
(A) सरकारी दमन
(B) असफलता
(C) चौरी-चौरा कांड
(D) गांधीजी की गिरफ्तारी
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1922 में चौरी-चौरा में हिंसा होने पर गांधीजी ने आंदोलन स्थगित कर दिया।

81. 'स्वराज पार्टी' की स्थापना कब हुई?
(A) 1920 ई. (B) 1922 ई.
(C) 1923 ई. (D) 1925 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1923 में मोतीलाल नेहरू और चित्तरंजन दास ने 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की।

82. 'साइमन कमीशन' भारत कब आया?
(A) 1925 ई. (B) 1927 ई.
(C) 1928 ई. (D) 1930 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1928 में साइमन कमीशन भारत आया, जिसके सभी सदस्य अंग्रेज थे, इस कारण इसका बहिष्कार हुआ।

83. 'नेहरू रिपोर्ट' कब प्रस्तुत की गई?
(A) 1927 ई. (B) 1928 ई.
(C) 1929 ई. (D) 1930 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1928 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में नेहरू रिपोर्ट तैयार की गई जिसमें स्वराज की परिकल्पना थी।

84. 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव कब पारित हुआ?
(A) 1928 ई. (B) 1929 ई.
(C) 1930 ई. (D) 1931 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1929 के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित किया गया।

85. 'नमक सत्याग्रह' की शुरुआत कब हुई?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1932 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने साबरमती से दांडी तक नमक सत्याग्रह यात्रा शुरू की।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग में भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग यानी RSSB की ओर से सुपरवाइजर यानी पर्यवेक्षक के 72 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इन पदों पर केवल महिलाएं ही अप्लाई कर सकती हैं। इस वैकेंसी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया स्टार्ट हो चुकी है। कैंडिडेट्स 4 फरवरी 2026 तक इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
07 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन:
किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।
इसके साथ ही, कंप्यूटर शिक्षा में एक सर्टिफिकेट चाहिए जैसे- O लेवल।
देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी में काम करने का ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान होना चाहिए।

एज लिमिट:
18 से 40 साल के उम्र के कैंडिडेट्स इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।
SC, ST और OBC वर्ग के कैंडिडेट्स को 5 साल की छूट दी जाएगी।

एप्लिकेशन फीस:
जनरल कैटेगरी के लिए 600 रुपए।
ओबीसी, एससी, एसटी, EWS और दिव्यांगों ले लिए 400 रुपए।

सैलरी स्ट्रक्चर:
सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को पे मैट्रिक्स लेवल 7 के अनुसार सैलरी दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई:
ऑनलाइन पोर्टल rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से लॉग इन करें।
इसके बाद Citizen Apps (G2C) में Recruitment Portal चुनें।
Apply Now पर क्लिक करें।
उम्मीदवारों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा।
इसके बाद कैंडिडेट्स अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

राजस्थान में एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के 1,100 पदों पर भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग यानी RSSB की ओर से एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के 1,100 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस वैकेंसी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 जनवरी, 2026 से शुरू होगी और 11 फरवरी, 2026 तक इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। इसके अलावा, फॉर्म में करेक्शन करने की अंतिम तिथि 14 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

आवेदन शुरू :
13 जनवरी से 11 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन:
कैंडिडेट के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से BSc (एग्रीकल्चर) या BSc (हॉर्टिकल्चर) ऑनर्स की डिग्री होनी चाहिए।

एज लिमिट:
18 से 40 साल उम्र के कैंडिडेट्स इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।
SC, ST और OBC वर्ग के कैंडिडेट्स को 5 साल की छूट दी जाएगी।
वहीं, सामान्य वर्ग की महिलाओं को 5 साल की छूट मिलेगी।
एससी और एसटी वर्ग की महिला उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी।

एप्लिकेशन फीस:
जनरल कैटेगरी के लिए 600 रुपए।
ओबीसी, एससी, एसटी, EWS और दिव्यांगों के लिए 400 रुपए।

सैलरी स्ट्रक्चर:
सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को पे मैट्रिक्स लेवल 5 के अनुसार सैलरी दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई:
ऑनलाइन पोर्टल rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से लॉग इन करें।
इसके बाद Citizen Apps (G2C) में Recruitment Portal चुनें।
Apply Now पर क्लिक करें।
उम्मीदवारों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा।
इसके बाद कैंडिडेट्स अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

बिना दर्द के भी हो सकता है हर्निया, जानिए इसके लक्षण

हर्निया को लेकर आम धारणा यही है कि इसमें तेज़ दर्द होता है और दर्द बढ़ते ही मरीज डॉक्टर के पास पहुंचता है। लेकिन मेडिकल एक्सपर्ट्स की मानें तो यह सोच पूरी तरह सही नहीं है। कई मामलों में हर्निया बिना किसी दर्द के भी धीरे-धीरे विकसित होता रहता है और मरीज को इसका अहसास तक नहीं होता। यही वजह है कि लोग इसे हल्के में ले लेते हैं और इलाज में देरी हो जाती है, जो आगे चलकर गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। कानपुर स्थित अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. वैभव गुप्ता बताते हैं कि हर्निया तब होता है, जब पेट की मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं और आंत या फैटी टिशू उस कमजोर हिस्से से बाहर की ओर उभरने लगते हैं। शुरुआती स्टेज में यह उभार दर्दरहित होता है, इसलिए मरीज इसे सामान्य सूजन या गैस की समस्या समझकर नजरअंदाज कर देता है।

क्या है बिना दर्द वाला हर्निया?-
बिना दर्द वाला हर्निया आमतौर पर धीरे-धीरे विकसित होता है। इसमें न तो अचानक तेज़ दर्द होता है और न ही शुरू में कोई बड़ी परेशानी महसूस होती है। कई लोग इसे महीनों, सालों तक अनदेखा करते रहते हैं। यही कारण है कि जब तक लक्षण गंभीर नहीं हो जाते, तब तक मरीज डॉक्टर तक नहीं पहुंचता।

बिना दर्द वाले हर्निया के प्रमुख लक्षण-
डॉ. वैभव गुप्ता के अनुसार, बिना दर्द वाला हर्निया कुछ हल्के लेकिन लगातार बने रहने वाले संकेत देता है, जिन पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। खड़े होने, खांसने, छींकने या भारी वजन उठाने पर पेट, नाभि या जांघ के पास हल्का उभार दिखाई देना, लेटने पर उभार का अपने आप अंदर चला जाना, पेट में भारीपन या खिंचाव महसूस होना, लंबे समय तक खड़े रहने पर असहजता, बार-बार गैस बनना या पेट फूलना, कब्ज की समस्या या शौच के दौरान ज्यादा जोर लगाना, कई बार ये लक्षण इतने सामान्य लगते हैं कि मरीज इन्हें पाचन से जुड़ी मामूली परेशानी समझकर टाल देता है, जबकि यही शुरुआती चेतावनी हो सकती है।

रेलवे में 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 30 दिसंबर 2025 से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू:
30 दिसम्बर से 29 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर :
हिंदी या अंग्रेजी में पीजी डिग्री, जिसमें ग्रेजुएट लेवल पर हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य विषय हो।
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर :
श्रम कानूनों में विशेषज्ञता के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री और डिप्लोमा या LLB की डिग्री।
चीफ लॉ असिस्टेंट :
लॉ की डिग्री और बार में वकील के रूप में कम से कम 3 साल का वर्क एक्सपीरियंस।
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) :
साइंस सब्जेक्ट (फिजिक्स और केमेस्ट्री) के साथ 12वीं पास।
प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा, साथ ही 2 साल का अनुभव।
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा।
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग :
साइकोलॉजी में PG डिग्री के साथ एक साल का एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी/एसटी : 250 रुपए
रिफंड फीस : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
चीफ लॉ असिस्टेंट : 44,900 रुपए प्रतिमाह
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) : 19,900 रुपए प्रतिमाह
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर : 44,900 रुपए प्रतिमाह
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग : 35,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

राजस्थान में 10,644 पदों पर निकली भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड यानी RSSB ने एलडीसी ग्रेड-II और जूनियर असिस्टेंट पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार RSSB की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन करने से पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना जरूरी होगा।

आवेदन शुरू :
15 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
CET पास
12वीं पास
कंप्यूटर कोर्स किया होना चाहिए।
राजस्थानी संस्कृति का सामान्य ज्ञान।
हिंदी का वर्किंग नॉलेज।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
राजस्थान के आरक्षित वर्गों और महिलाओं को सरकारी नियमों के अनुसार 5 से 10 साल की छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
टाइपिंग टेस्ट

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल-5 के अनुसार

फीस :
जनरल, क्रीमीलेयर ओबीसी : 600 रुपए
नॉन क्रीमीलेयर ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।

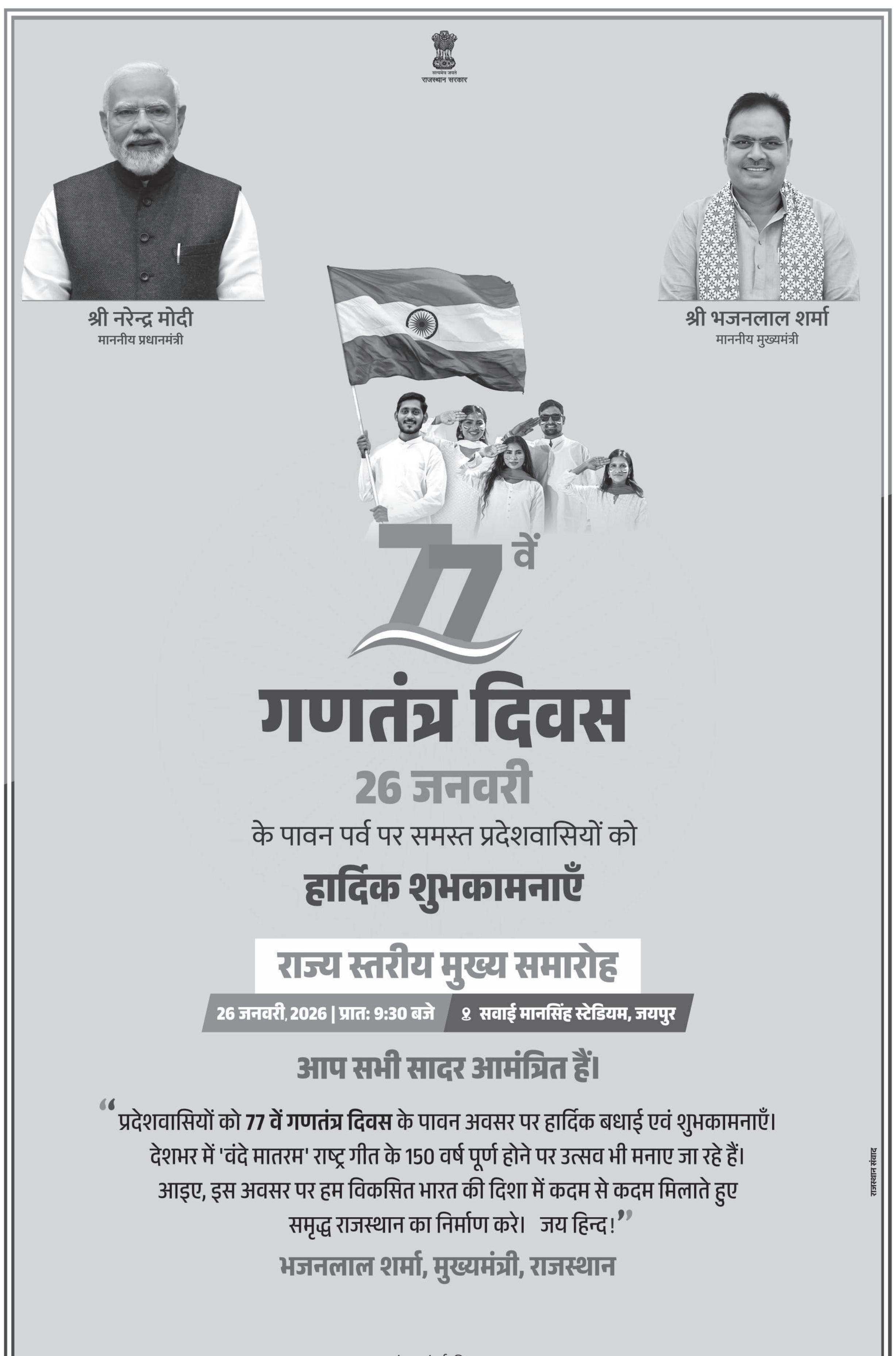

प्रमोद जैन भाया पहुंचे मतदाताओं का आभार जताने गांवों में

बारां (रॉयल पत्रिका) । अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया अपनी विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताने के लिए गांवों में पहुंचकर उनका आभार व्यक्त कर रहे है। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अन्ता ओम सुमन मिर्जापुर एवं ब्लॉक अध्यक्ष मांगरोल रामस्वरूप बैरवा ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा उप चुनाव में मतदाताओं द्वारा ऐतिहासिक मतों से प्रमोद जैन भाया को विजयी बनाकर उन्हें जो आषीर्वाद प्रदान किया गया है उसके लिए पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया विधानसभा क्षैत्र के मतदाताओं का आभार जताने के लिए लगातार गांवों में पहुंच रहे है। आज अन्ता के नव निर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा बालदडा, बडगांव, घोडीगांव, माण्डपुर, पाटोन्दा, पीपल्दा, उदपुरिया, पापडली, गोदावरी एवं सोनवा गांवो में पहुंचकर मतदाताओं एवं ग्रामीणों, युवाओं का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा भाया का माल्यार्पण, साफाबन्दी कर स्वागत सम्मान किया गया। भाया ने ग्राम में स्थित धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर ढोक लगाई। ग्रामीणों द्वारा उन्हें परिवाद भी सौंपे गए। विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि अन्ता विधानसभा के मतदाताओं के उन पर जो भरोसा जताया है उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरेंगे तथा विधानसभा क्षैत्र के विकास कार्य एवं आमजन के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

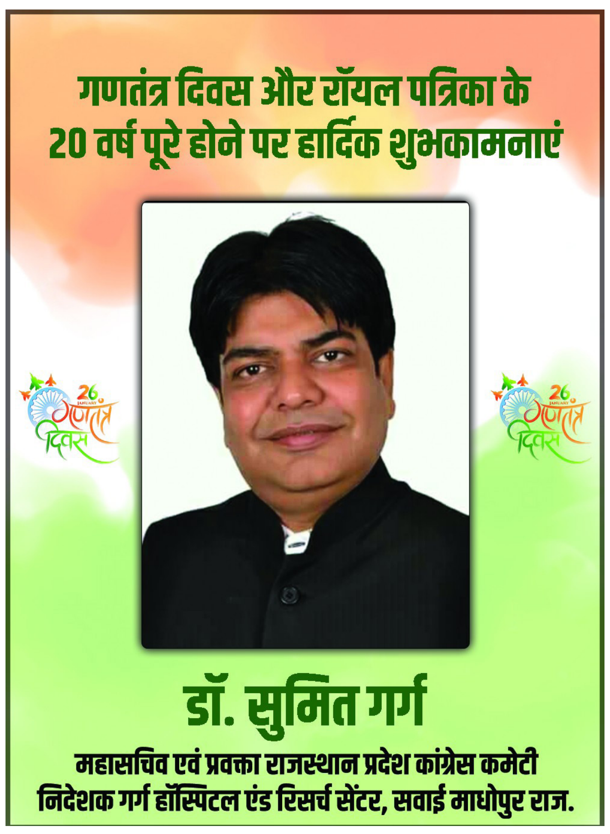

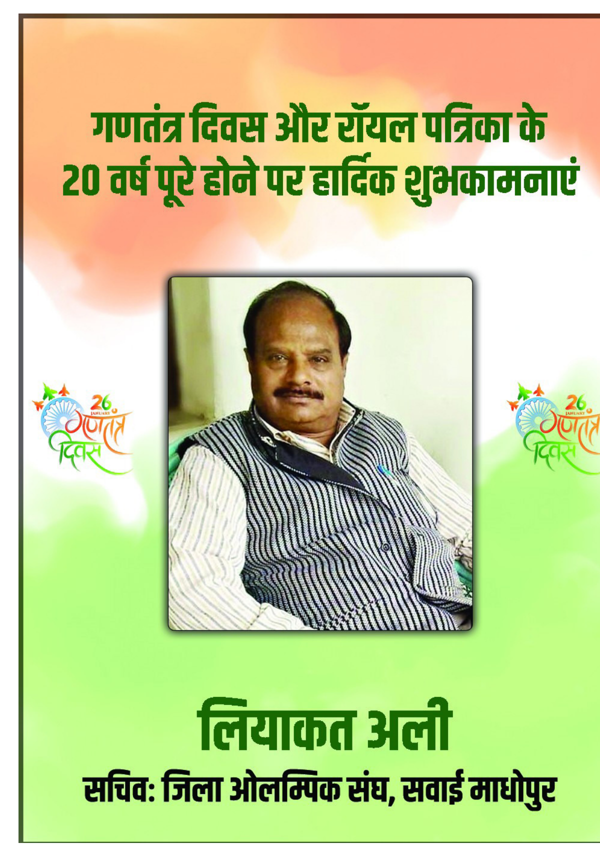

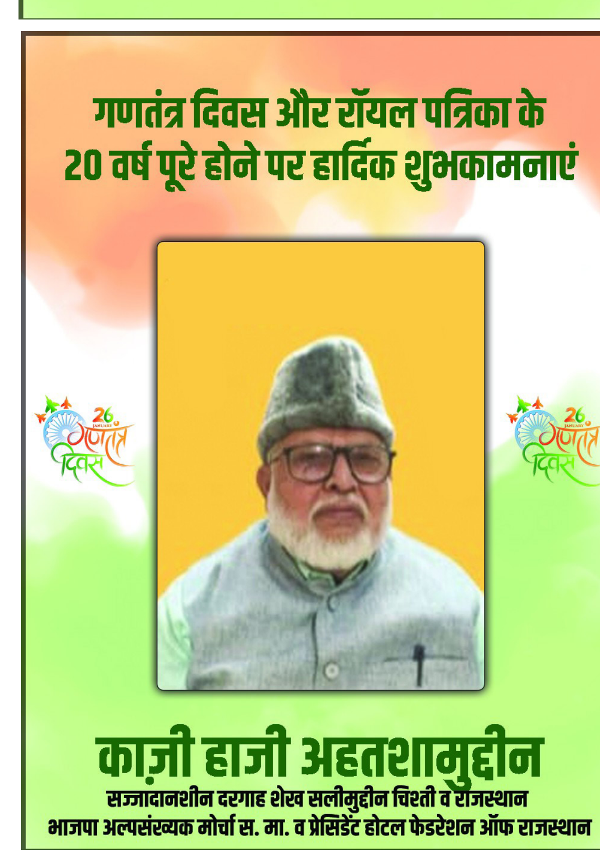

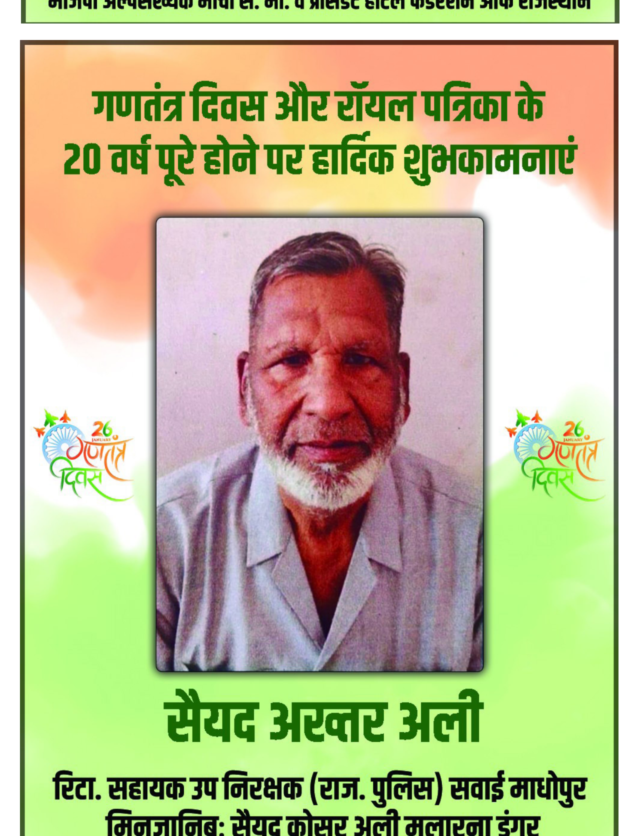

अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा नवनिर्वाचित अंजुमन सदर मन्नू पठान का किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामियां की इंतजामिया कमेटी के नवनिर्वाचित सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान का शनिवार रात शहर के अधिवक्ता फिरोज खान के निजी आवास पर इस्तकबालिया प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा नवनिर्वाचित अंजुमन सदर मन्नू पठान को माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। साथ ही पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान लजीज, पूर्व प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, पूर्व पार्षद जाकिर खान, राजू खान बर्तन वाले का इस्तकबाल किया गया, प्रोग्राम में पत्रकार मोहम्मद अन्नू, लईक अहमद अंसारी का भी इस्तकबाल किया गया। इस दौरान अंजुमन सदर मन्नू पठान ने कहा कि मदरसे में बेहतर शिक्षा व्यवस्था ओर अध्यापकों के साथ अच्छा तालमेल बैठाकर हम शिक्षा के स्तर को ओर बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। मिलजुल कर समाज ओर बच्चों की भलाई के लिए कार्य करेंगे। इस दौरान दरगाह बाबा पठान साहब के सदर मोहम्मद जफर, उमर फारूक, सलाम बाबा, मास्टर शाहिद, समाजसेवी लकी मस्तान सहित कई लोग मौजूद रहे।

इंसानियत एकता सेवा समिति का रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान का समापन

-405 कंबल किये वितरण

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर स्थित नए बस स्टेण्ड पर इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा पिछले 37 दिनों से चल रहे रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान का समापन समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान के नेतृत्व में ज़रूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के सहायक सचिव डॉ शाहरुख खान आसलसर ने की इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि 37 दिनों तक चले रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान में चूरू सहित शेखावाटी क्षेत्र के सभी शहरों व कसबों में ज़रूरतमंद लोगों को 405 कम्बल वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ शाहरुख खान ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा नेक और पुण्य का कार्य है। समाजसेवी जाकिर खान केके ने कहा कि सामाजिक सरोकार में योगदान देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। इस दौरान समिति के उपकोषाध्यक्ष मो.सलमान खान, निदेशक सदस्य बिलाल खान, संरक्षक सदस्य गुलाम हुसैन गौरी, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, डॉ अखतर खान, जावेद खान, इमरान खान, हसन खान, अबरार खान, जाकिर खान के के, सोयल खान, रेहान खान, समीर खान, जाहिद खान आदि मौजूद रहे। समिति के सोशल मीडिया प्रभारी सुलेमान मनीहार ने सभी का आभार जताया।

लोकसभा स्पीकर ने रीको स्थित बाबू लाल मेघवाल की ग्रेनाइट फैक्ट्री का किया निरीक्षण

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी क्षेत्र में शनिवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बागेश्वरधाम के आचार्यश्री की कथा में शामिल हुए। जिसमें बाद लोकसभा स्पीकर कथास्थल के समीप बाबा ग्रेनाइट फैक्ट्री पहुंचे और फैक्ट्री में लगी मशीनों की जानकारी ली। भाजपा नेता एवं मेघवाल महासभा के प्रदेश महामंत्री बाबूलाल मेघवाल ने ओम बिरला को फैक्ट्री में बनने वाली टाइल्स और मशीनों की जानकारी दी। संचालक दीपक मेघवाल की इस पहल पर लोकसभा स्पीकर ने कहा कि इस देश को दीपक मेघवाल जैसे मेहनती युवाओं की जरूरत है। कोटा स्टोन की टाइल्स बनने से कोटा स्टोन को एक नया आयाम मिलेगा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल, नरेंद्र काला, धीरज सिंह सिसोदिया, सुकेत मंडल महामंत्री दिनेश कुमार कोला, शंकरलाल मेघवाल, मोहनलाल मेघवाल, बालचंद मेघवाल साथ रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोकतंत्र सशक्त बनाने का संकल्प

-स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन रविवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय में समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने समारोह में जनसमूह को मतदान की शपथ दिलाते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण दायित्व भी है। समारोह के दौरान वरिष्ठ मतदाताओं एवं युवा मतदाताओं का सम्मान किया गया वहीं नवमतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, मतदाता जागरूकता गीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इस अवसर पर गत विधानसभा उपचुनाव एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ, सुपरवाइजर, अधिकारी एवं कार्मिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव को विधानसभा उपचुनाव एवं एस आई आर में स्वीप अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य एवं उच्च कोटी की सेवाओं के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर द्वारा सम्मानित किया गया। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईएलसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विद्यालयों को भी सम्मान प्रदान किया गया। जिला स्तर पर एक-एक राजकीय एवं निजी महाविद्यालय तथा विद्यालय को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह सहित 10 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग का सभी मतदाताओं के लिए शुभकामना संदेश तथा "मैं भारत हूं" गीत का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी, एसडीएम विश्वजीत सिंह, सौरभ भांबू, अभिमन्यु सिंह कुंतल, निर्वाचन समन्वयक हीरालाल वर्मा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

झालावाड़ पुलिस की अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

-एक ट्रक सहित पंजाब निर्मित शराब की 783 कार्टूनों में कुल 13500 बोतल अंग्रेजी शराब व बीयर केन जब्त

-अवैध शराब पंजाब से गुजरात लेकर जाते समय थाना झालरापाटन द्वारा जब्त

-01 करोड़ रूपये से अधिक की अवैध शराब मय ट्रक के सज्जन सिंह को किया गिरफ्तार

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि गुजरात में शराब ब्रिकी बन्द होने के कारण शराब तस्कर पंजाब निर्मित शराब अलग-अलग सडक मार्गो के द्वारा बडे ट्रको में गुजरात भिजवाकर शराब तस्करी करते है। ऐसे शराब तस्करो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 24.01.2026 को थाना झालरापाटन द्वारा माधोपुर ब्रिज के नीचे झालरापाटन के यहां पर नाकाबन्दी के दौरान ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध शराब के 783 कार्टून जिनमें कुल 13500 बोतल अंग्रेजी शराब ट्रक सहित जब्त कर अभियुक्त सज्जन सिंह पिता सुरजभान सिंह राजपूत उम्र 26 साल निवासी सालवाकला असारानाडा थाना डांगियावास जिला जोधपुर को गिरफ्तार करने मे सफलता अर्जित की है। घटना का विवरण व पुलिस कार्यवाही पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला झालावाड़ में अवैध कार्यों व संगठित अपराध जुआ सट्टा, तथा मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जाकर प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है। अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक झालावाड़ भागचन्द मीणा के निर्देशन में व हर्षराज सिंह खरेडा पुलिस उप अधीक्षक वृत झालावाड़ के सुपरविजन में अल्का पु.नि. थानाधिकारी थाना झालरापाटन की आसूचना पर थाना झालरापाटन की गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए 24.01.2026 को थानाधिकारी थाना झालरापाटन को सूचना मिली की एक ट्रक में भारी मात्रा में पंजाब निर्मित शराब लेकर झालावाड होते हुए गुजरात लेकर जा रहा है, उक्त सूचना पर थानाधिकारी के नेतृत्व में सुनील कुमार उ०नि० मय जाप्ता द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए माधोपुर ब्रिज के नीचे झालरापाटन के यहां पर नाकाबन्दी के दौरान ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध शराब के 783 कार्टून जिनमें कुल 13500 बोतल अंग्रेजी शराब ट्रक सहित जब्त कर अभियुक्त सज्जन सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। अवैध शराब की अनुमानित कीमत 01 करोड से रूपये से अधिक है। पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अवैध शराब तस्करी में संलिप्त अन्य तस्करों के सम्बन्ध में अनुसंधान किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता- सज्जन सिंह पिता सुरजभान सिंह राजपूत उम्र 26 साल निवासी सालवाकला असारानाडा थाना डांगियावास जिला जोधपुर। विषेष टीम, अल्का थानाधिकारी थाना झालरापाटन, उप निरीक्षक सुनील वर्मा, हैड कानि०प्रीतम सिंह, सीताराम, कानि० किशोर कुमार, प्रवीण कुमार, मुकेश जांगिड, करण सिंह (आसूचना अधिकारी) आदि रहे।

सांचौर की साक्षी सोनी का राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल टीम में चयन

-परिवार में खुशी का माहौल, बांटी मिठाइयां

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। महाराष्ट्र के जलगांव में 6 फरवरी से आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय सॉफ्टबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता के लिए सांचौर की प्रतिभावान खिलाड़ी साक्षी सोनी का राजस्थान टीम में चयन हुआ है साक्षी वर्तमान में पीएम राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सांचौर की छात्रा हैं साक्षी सोनी ने जिला संभाग और राज्य स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है उसके चयन से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है साक्षी की इस सफलता में राजस्थान टीम की कोच तीजा बिश्नोई जो की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सांचौर में शारीरिक शिक्षक भी हैं,तथा सॉफ्टबॉल कोच एस राणा का विशेष योगदान रहा है दोनों प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा से साक्षी ने राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा को निखारा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य रामेश्वर विश्नोई ने छात्रा साक्षी सोनी कोच तीजा बिश्नोई एवं कोच एस राणा को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहे कि यह उपलब्धियां न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है उन्होंने इसे बालिका शिक्षा और खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया और सभी बालिकाओं से यह अपील की है खेल के मैदान मेहनत कर सफलता को प्राप्त करें।

हाड़ेचा पानी की अधिक आवश्यक 60 फीट टूटी वालेरा वितरिका

-किसानों के अरमानों पर फिरा पानी फसलें तबाह

हाड़ेचा/सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नर्मदा नहर परियोजना के अधिकारियों एवं पेट्रोलिंग ठेकेदारों की गंभीर लापरवाही एक बार फिर किसानों पर भारी पड़ी पानी की अधिक आवक के चलते वालेरा वितरिका बुधवार रात्रि को ओवरफ्लो होकर टूट गई। जिससे आसपास के किसानों के खेतों में खड़ी फसलों में पानी भर गया अचानक हुए इस हादसे से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई और किसानो की मेहनत पर पानी फिरने का खतरा गहराने लगा है। जानकारी के अनुसार कस्बे के निकट बावरला सरहद में बुधवार रात नर्मदा ननहर परियोजना की वालेरा वितरीका अचानक ओवरफ्लो होकर करीब 50 से 60 फीट लंबाई में टूट कर बिखर गई। वितरीका के फूटते ही पानी तेज बहाव के साथ आसपास के खेतों में घुस गया। इससे किसान हरिराम बिश्नोई के 6 बीघा में खड़ी अजवायन की फसल ,राजाराम चौधरी के 7 बीघा में रायडा गेहूं वह अजवायन,पीराराम चौधरी के 8 बीघा में गेहूं, सवाराम चौधरी के 12 बीघा में अजवाइन तथा बाबूलाल बिश्नोई के 12 बीघा में रायडा व गेहूं की फसले जलगमन हो गई। किसानों का कहना है कि खेतों में कई घंटे तक पानी भरा रहने से फसलों के पूरी तरह चौपट होने की आशंका है वितरिका फूटने से केवल खेती नहीं बल्कि किसानों के घर आंगन में भी प्रभावित हुए पानी चारों तरफ फैला हुआ है। प्रगाराम चौधरी के घर के चारों ओर पानी भर गया है जिससे परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है भाई बाबूलाल बिश्नोई के खेत में कास्त कर रहे जेताराम देवासी की प्रवासी झोपड़ी पानी में घुस जाने से वहां रखी आठ बोरी बाजरी सहित अन्य घरेलू सामान पानी से खराब हो गया है। एक किसान का खेत में बना मकान भी पानी से गिर गया है जिससे उसे जान माल की सुरक्षा को लेकर चिंता बड़ी हुई है।ग्रामीणों को आरोप है की वितरिका फूटने की सूचना तुरंत पेट्रोलियम ठेकेदार को दे दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद कई घंटे बाद जाकर पानी की सप्लाई बंद करवाई गई। इस देरी के कारण खेतों में अत्यधिक पानी जमा हो गया और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों ने नर्मदा नगर परियोजना के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नुकसान का मुआवजा देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

दरगाह बगड़ शरीफ में हजरत शाह अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अल्लेही का 46 वां उर्स

-झंडे की रस्म के साथ शुरू हुआ

बगड़/झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। दरगाह बगड़ शरीफ हजरत इज्जतुल्लाह शाहे में शाह अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अल्लेही का चार दिवसीय उर्स मुबारक 26 जनवरी से 29 जनवरी 2026 सोमवार, मंगलवार, बुधवार एवं जुम्मेरात तक रहेगा। दरगाह बगड़ के गद्दी नशीन पीर दीन मोहम्मद शाह ने बताया कि 26 तारीख को झंडे की रस्म के साथ उर्स की शुरुआत और 29 तारीख को कुल की रस्म के साथ उर्स संपन्न होगा। चार दिन तक उर्स के मौके पर बाहर से आने वाले जायरीनों के रहने व खाने की व्यवस्था रहेगी और मेला लगा रहेगा। जिसमें चादर फुल मालाओं और प्रसाद की दुकानें भी लगेगी। दरगाह में लंगर की व्यवस्था रहती है। सर्दी को देखते हुए इंतजामात किए जाते हैं। जयपुर से प्रसिद्ध कव्वाल आते हैं कव्वालों की कव्वालियों से शमां बंदी रहती है। जायरीनों का झुर-मुट लगा रहता है। दरगाह के शहजादा-ए-मोहम्मद अबरार शाह ने बताया कि चादरें चढ़ाई जाती है। दुआएं मांगी जाती है।

सादुलपुर-दावते इस्लामी इंडिया का ताजिरान इजतिमाअ जागरुकता कार्यक्रम हुआ

राजगढ (रॉयल पत्रिका)। दावते इस्लामी इंडिया के डिपार्टमेंट ताजिरान कि तरफ से ताजिरान इजतिमाअ जागरुकता कार्यक्रम किया गया जिसमे मोलाना सिकन्दर साहब ने बिजनेस मेन और युवाओ को संबोधित करते हुवे कहा कि युवाओ को जायज और हलाल तरीके से मेहनत करके पैसा कमाना चाहिए, उन्होने बताया कि मुस्लिम समाज जो शिक्षा के क्षेत्र मे पिछे रह गया है। उसे आगे बढाने के लिए दावते इस्लामी लगा तार प्रयास कर रही हैं, इसके साथ साथ दावते इस्लामी इंडिया कि समाज सेवा कि जानकारिया भी दि गयी बताया गया कि दावते इस्लामी का जी एन आर एफ विभाग नशा मुक्ति,प्राकृतिक आपदाओं मे मदद के साथ, सर्दियों मे कंबल बाटना वृक्षारोपण करना, बल्ड डोनेशन केम्प लगाये जाते है। इस मोके पर बहुत बडी तादात मे शहर के बिजनेसमेन प्रोफेशनल लोगो ने इजतिमाअ मे शिरकत कि और दुआए की।

Happy Republic Day
Best Wishes from
ASI INDUSTRIES LIMITED
ASI Industries Limited
(Formerly known as Associated Stone Industries (Kotah) Ltd.)
Producers & Exporters of
KOTAH STONE and SAND STONE
Regd. & Corporate Office: Marathon Innova, A Wing, 7th floor, Off Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Mumbai-400013 (Mah.) Tel: 22-40896100, 40896105 Email: info@asigroup.co.in, web: www.asigroup.co.in
Mines & Works: ASI House, Kudayala Industrial Area, Ramganjmandi - 326519 Dist: Kota, Rajasthan Contact - +91-9261815111 Email: sales@asigroup.co.in, mail@asigroup.co.in
Building from a Solid Foundation

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कार्यालय ग्राम पंचायत सुथड़ी, चितलवाणा (जालौर)

मारीयत बानु
सरपंच

महेश कुमार
ग्राम विकास अधिकारी

- केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।
- चिरंजीवी योजना में रजिस्ट्रेशन करावें।
- गोचर भूमि एवं आम रास्ते पर अतिक्रमण नहीं करें।
- वीबी-ग्राम-जी में रोजगार हेतु आवेदन करे व जॉब कार्ड की ई केवाईसी करवाएं।
- वृक्षारोपन कर ग्राम को स्वच्छ व निर्मल बनाएं।
- घर में शौचालय बनाएं एवं उपयोग करें व खुले में शौच नहीं करें।
- भ्रूण हत्या न करवाएं। सामाजिक अपराध है इसे रोके।
- बालक-बालिकाओं को शिक्षा से वंचित न रखें।
- परिवार नियोजन अपनाएं, छोटा परिवार-सुखी परिवार।
- साफ सफाई रखे, कूड़ा कचरा पात्र में डाले।

26 गणतंत्र दिवस

समस्त देशवासियों को
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रवि कुमार बैरवा
लोकसभा क्षेत्र करौली - धौलपुर
@ravibairwaofficial @ravibairwaofficial @ravibairwa2024
निवासी-तेसगांव कैमरी धाम

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के 20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद नासिर
अध्यापक सवाई माधोपुर

9352401246
6375752705
9610341160

NR ENTERPRISES
NR Enterprises
Authorised Dealer : Bislery
33, Vishnu Colony, Hatwara Road, Jaipur

aaina
AAINA
DEPARTMENT STORE
Deals in :- KIRANA & DRY FRUITS SELLER
(Ice-Cream & Cold Drinks)
शादी व पार्टियो में ऑर्डर बुक किये जाते है।
4 No., Dispensary, Hatwara Road, Sodala, Jaipur
: 9352401246, 6375752705, 9610341160

RAMZAN MUBARAK
RYNA®
TASTE OF NATURE

1. LR
RYNA'S FRUIT JUICE DRINK
200 ML
250ML
- FRUIT JUICE
- ALOEVERA DRINKS
- ENERGY DRINKS
- SPARKING JUICE

RAJASTHAN DISTRIBUTOR - N R ENTERPRISES
REQUIRED - WHOLESALER
CONTACT - MOB. 6375752705, 9352401246
STOCKIST - AINA DEPATMENTAL STORE
OPP. 4 NO. DISPENSARY,HATWARA ROAD,
SODALA, JAIPUR - 302006

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस 2026 की दिली मुबारकबाद

खादीम नसीबशाह
7665521013

26 गणतंत्र दिवस

हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ.
पीर की जाल

फर्म-मख्दुम जनरल स्टोर गिलाफ मखमल की चादर, अंतर, गुलाबजल,
अगरबती के हॉल सेल - रिटेल विक्रेता पीर की जाल, प्रतापपुरा, सांचोर।

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस 2026 की
दिली मुबारकबाद

नाजिमें आला
नबी बक्ष सरवरी
दारूल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय
पीर की जाल, सांचौर 9783842707, 9414373390

दरगाह हजरत
मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ.
पीर की जाल, प्रतापपुरा
सांचौर (राजस्थान)

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस 2026 की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

एडवोकेट ईब्राहीम शाह जूनेजा
पीर की जाल, कोर्ट परिसर, सांचौर जिला-जालौर।
9829179404

गणतंत्र दिवस और रॉयल पत्रिका के
20 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं

खालिद अंसारी
जिला अध्यक्ष एसडीपीआई जयपुर

US-FDA प्रमाणित
4th Generation VELYS
रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सिस्टम

GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS

माता-पिता को
छड़ी का नहीं
स्वस्थ जीवन के लिए
चाहिए आपका सहयोग

गीतांजली हॉस्पिटल - रोबोटिक सर्जरी
बनाए हर
घुटना प्रत्यारोपण
सटीक, सुरक्षित एवं कारगर

किफायती व बिना किसी अतिरिक्त शुल्क *

सटीक इलाज, बेहतर परिणाम
- रोबोट की मदद से सटीक मार्गदर्शन
- सर्जरी से पहले CT या MRI की आवश्यकता नहीं है
- अनुभवी सर्जन की टीम
- बेहतरीन इम्प्लांट

जल्द रिकवरी
- छोटा चीरा (4-6 inch)
- जल्दी चलना फिरना संभव
- टिश्यू को कम नुकसान
- न्यूनतम दर्द

*नियम व शर्तें लागू

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS)
सभी सरकारी, निजी, टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.)
0294-2500044
पेन-फ्री ज़िंदगी के लिए स्कैन करे

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com